E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -168 | प्रयागराज, मंगलवार 23 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## भागवत बोले- भारत अनुभवहीन बनकर आगे नहीं बढ़ सकता,अमेरिकी टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर जो जरूरी हो करना चाहिए

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) चीफ मोहन भागवत ने अमेरिका के भारत पर बढ़ाए टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर कहा, 'भारत को इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो करना चाहिए, लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते।' उन्होंने कहा- भारत और अन्य देशों के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2 हजार सालों से अपनाई गई उस व्यवस्था का नतीजा हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही है। इसलिए हमें अपनी राह खुद तय करनी होगी। आरएसएस चीफ ने कहा कि हम इन हालात से निकलने का रास्ता ढूंढ लेंगे, लेकिन भविष्य में कभी न कभी हमें फिर ऐसे ही हालात का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टि में हमेशा 'मैं और बाकी दुनिया' या 'हम और वे' की सोच रहती है। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए विकास और प्रगति के सनातन दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपना रास्ता खुद बनाना शुरू करना होगा। भागवत ने यह बात रविवार को दिल्ली में एक बुक लॉन्च कार्यक्रम में कहीं। भागवत ने किसी का नाम लिए बिना कहा- तीन साल पहले अमेरिका के एक प्रमुख व्यक्ति से मुलाकात हुई थी। उन्होंने सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका साझेदारी और सहयोग की संभावनाओं पर बात की, लेकिन हर बार उन्होंने यही दोहराया कि 'बशर्ते अमेरिकी हितों की रक्षा हो।' आरएसएस चीफ ने कहा कि हर किसी के अलग-अलग हित हैं। इसलिए टकराव चलता रहेगा। जो ऊपर है, वही नीचे वालों को खा जाएगा। जो फूड चेन में सबसे ऊपर है, वह सबको खा जाएगा और फूड चेन में सबसे नीचे रहना एक अपराध है। सिर्फ राष्ट्र हित ही मायने नहीं रखता। मेरा भी हित है। मैं सब कुछ अपने हाथ में चाहता हूं। आरएसएस चीफ ने कहा- सिर्फ भारत ने ही पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है। और किसने कीं? क्योंकि कोई प्रामाणिकता नहीं है। अगर भारत विश्वगुरु और विश्वामित्र बनना चाहता है, तो उसे अपने दृष्टिकोण के आधार पर अपना रास्ता खुद बनाना होगा। उन्होंने कहा कि अगर हम इसे प्रबंधित करना चाहते हैं, तो हमें अपने दृष्टिकोण से सोचना होगा। सौभाग्य से हमारे देश का दृष्टिकोण पारंपरिक है, जीवन के प्रति यह दृष्टिकोण पुराना नहीं है, यह सनातन है। यह हमारे पूर्वजों के हजारों सालों के अनुभवों से बना है।

## सोमवार से पनीर, साबुन, शैंपू के साथ कार, एसी सस्ते,जीएसटी की नई दरें लागू, ग्राफिक्स में देखें कौनसा सामान कितना सस्ता हुआ

नई दिल्ली। जीएसटी की नई दरें आज यानी 22 सितंबर से लागू हो गईं। इसके तहत रोजमर्रा की चीजों के दामों में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। इसका असर बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। छठ पूजा और दिवाली से ठीक पहले पीएम मोदी के इस फैसले को आम जनता से जुड़ा माना जा रहा है। इन जीएसटी सुधारों को पीएम मोदी ने 'खुशियों का डबल धमाका' करार दिया है। नए जीएसटी दरों से नवरात्रि पर मां दुर्गा की मूर्तियों और छठ पूजा के लिए अन्य सामग्री जैसे सूप, दउरा और पूजन सामग्री सस्ती होने की पूरी संभावना है। दिवाली और छठ पूजा से पहले सरकार का उपहार दिवाली और छठ पूजा से पहले जीएसटी दरें कम होने से लोगों को अधिक खरीदारी करने का मौका मिलेगा, जिससे त्योहारी सीजन में बाजारों में रौनक बढ़ेगी। रोजमर्रा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी से बिहार में आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने क्या कहा?अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जीएसटी 2.0 न केवल आम लोगों की जेब पर बोझ कम करेगा, बल्कि यह छठ और दिवाली जैसे पवित्र त्योहारों को और खास बनाएगा। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और कदम है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस सुधार को लागू करना भाजपा की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी को उम्मीद है कि यह कदम बिहार के मतदाताओं को लुभाने में मदद करेगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां छठ पूजा का व्यापक प्रभाव है। जीएसटी क्या है? जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) पूरे भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर एकल अप्रत्यक्ष कर है। यह उत्पाद शुल्क, वीएटी और सेवा कर जैसे कई करों की जगह लेता है, जिससे एक एकीकृत बाजार का निर्माण होता है। संशोधित जीएसटी दरें कब से लागू होंगी? जीएसटी परिषद् की सिफारिश के अनुसार, नई जीएसटी दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। 22 सितंबर, 2025 से जीएसटी में क्या बदलाव हुए हैं? इस तारीख से, जीएसटी परिषद के निर्णयों के आधार पर, कई वस्तुओं और सेवाओं पर संशोधित जीएसटी दरें लागू होंगी। इन बदलावों का उद्देश्य दरों को सरल बनाना, विसंगतियां दूर करना और व्यवसायों व उपभोक्ताओं दोनों के लिए प्रणाली को आसान बनाना है। क्या 22 सितंबर 2025 से जीएसटी पंजीकरण नियम बदल जाएंगे? नहीं। जीएसटी पंजीकरण की सीमाएं वही रहेंगी। केवल कुछ आपूर्तियों पर टैक्स की दरों में संशोधन किया जा रहा है। क्या नई जीएसटी दरें लागू होने पर ट्रांजिट में माल के लिए ई-वे बिल रद करके पुनः जारी करने होंगे? नहीं। दरों में बदलाव से पहले जारी किए गए ई-वे बिल अपनी पूरी अवधि के लिए वैध रहते हैं। वैध ई-वे बिल के साथ पहले से ही चल रहे माल के लिए 22 सितंबर के बाद नए बिल की जरूरत नहीं है। यदि दरों में बदलाव की तारीख पर मेरे पास पहले से ही स्टॉक है, तो क्या मुझे आपूर्ति पर संशोधित दर लागू करनी चाहिए? हां। जीएसटी आपूर्ति की तिथि पर लगाया जाता है, खरीद की तिथि पर नहीं। इसलिए, भले ही स्टॉक पहले खरीदा गया हो, 22 सितंबर को या उसके बाद की गई किसी भी आपूर्ति पर नई दरें लागू होंगी।

## महीनों बाद साथ दिखे डोनाल्ड ट्रम्प और इलॉन मस्क, एक दूसरे से हाथ भी मिलाया

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अरबपति इलॉन मस्क महीनों के विवाद के बाद पहली बार साथ नजर आए। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और बातें कीं। यह मुलाकात एरिजोना के ग्लेनडेल में आयोजित एक कार्यक्रम में हुई। यहां हजारों लोग दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट चार्ली कर्क को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। इसके बाद दोनों के बीच फिर से सुलह को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। मस्क ने ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव में 270 मिलियन डॉलर से ज्यादा का चंदा दिया था और बाद में वे उनके सलाहकार भी बने। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में मस्क ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का नेतृत्व किया था। इसके तहत बड़ी संख्या में सरकारी नौकरियां खत्म की गईं।हालांकि बाद में दोनों के रिश्ते बिगड़ गए। मस्क ने मई में ट्रम्प के टैक्स और खर्च बिल को पागलपन और विनाशकारी बताया। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। मस्क ने ट्रम्प पर एप्स्टीन फाइल्स में नाम आने का भी आरोप लगाया था। वहीं ट्रम्प ने जुलाई में कहा था कि वे मस्क को देश से बाहर भेजने पर विचार करेंगे। तनाव के बाद मस्क ने अपनी अलग अमेरिका फर्स्ट पार्टी बनाने का ऐलान किया था।

## यूपी में जाति लिखने पर वाहनों का चालान होगा,एफआईआर में आरोपी की जाति भी नहीं लिखी जाएगी, जातिगत रैलियों पर भी रोक

लखनऊ। यूपी सरकार ने जातीय भेदभाव रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब पुलिस रिकॉर्ड, नोटिस बोर्ड और गिरफ्तारी मेमो में आरोपी की जाति का जिक्र नहीं किया जाएगा। खास बात यह है कि आरोपी के पिता के नाम के साथ अब माता का नाम भी दर्ज किया जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने ये आदेश जारी किया। कहा- समाज में जातीय विभाजन बढ़ाने वाली किसी भी प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वाहनों पर जाति लिखकर घूमने वालों का चालान होगा। जातीय स्टिकर-नारे हटाए जाएंगे। जाति आधारित रैलियों पर अब प्रतिबंध रहेगा। 1- सोशल मीडिया पर जाति को बढ़ावा देने पर एक्शन आदेश के मुताबिक, सोशल मीडिया पर जाति को बढ़ावा देने या किसी जाति की निंदा करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। ऐसे पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। सिर्फ उन्हीं मामलों में जाति दर्ज करने की अनुमति होगी, जहां कानूनी बाध्यता है- जैसे कि एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज केस।2- जाति आधारित बोर्ड और बैनर भी हटेंगे-कस्बों और शहरों में लगे ऐसे बोर्ड, जिनमें किसी जाति का महिमामंडन किया गया हो, उन्हें तुरंत हटाया जाएगा। आगे से ऐसे बोर्ड लगाने पर सख्ती होगी। 3- गाड़ियों पर जाति लिखकर चलने पर चालान होगा। सड़कों पर कई बार गाड़ियों पर 'जाट हूं', 'ठाकुर साहब', 'पंडित जी' जैसे स्लोगन लिखे दिखते हैं। अब ऐसे वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान होगा। पुलिस को आदेश है कि ऐसे सभी स्टिकर और नारे हटवाए जाएं। अब वो मामला पढ़िए, जिस पर हाईकोर्ट ने सरकार को यह आदेश दिया। इटावा के जसवंत नगर थाने की पुलिस ने 29 अप्रैल, 2023 को स्कॉर्पियो गाड़ी रोकी थी, जिसमें प्रवीण छेत्री सहित तीन लोग पकड़े गए। वाहन से 106 बोतल व्हिस्की बरामद हुई, जो हरियाणा में बिक्री के लिए थी। साथ ही फर्जी नंबर प्लेट भी मिली। बरामदगी मेमो में अभियुक्तों की जाति माली, पहाड़ी राजपूत और ठाकुर लिखी गई थी। इसके आधार पर एक और कार को रोका गया, जिसमें से 254 और बोतल शराब बरामद हुई। दूसरी गाड़ी के मालिक की जाति पंजाबी पाराशर और ब्राह्मण के रूप में दर्ज थी। आरोपियों ने हरियाणा से बिहार में शराब तस्करी करने और प्रवीण छेत्री को अपना गैंग लीडर बताने की बात कबूल की थी। इसके बाद प्रवीण छेत्री आपराधिक कार्यवाही रद्द करने की इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 16 सितंबर को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने इस मामले की एफआईआर और जब्ती मेमो में जाति लिखने पर कड़ी आपत्ति जताई। कहा- यह प्रथा कानूनी गलत है, जो संवैधानिक नैतिकता को कमजोर करती है और लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती है। इसके बाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिया था कि पुलिस रिकॉर्ड और सार्वजनिक जगहों पर जाति आधारित चीजें नहीं होनी चाहिए।

## राजनाथ सिंह बोले- एकदिन पीओके बिना हमला किए वापस मिलेगा,खुद कहेगा- मैं भारत हूं,ऑपरेशन सिंदूर दोबारा शुरू हो सकता है

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत को बिना किसी लड़ाई या हमले के अपने आप मिल जाएगा। पीओके के लोग खुद आजादी की मांग कर रहे हैं और एक दिन वे कहेंगे, 'मैं भी भारत हूं।' राजनाथ सिंह ने यह बात मोरक्को में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने याद दिलाया कि पांच साल पहले कश्मीर में सेना के एक कार्यक्रम में भी उन्होंने यही बात कही थी। यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहा है कि हमने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके को कब्जाने का मौका गंवा दिया गया। उस समय भारतीय वायुसेना ने कई पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराए थे, लेकिन सरकार ने सीजफायर मान लिया। दरअसल, राजनाथ सिंह दो दिन के दौरे पर मोरक्को पहुंचे हैं। यहां उन्होंने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के नए व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म 8x8 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया। यह अफ्रीका में किसी भारतीय रक्षा कंपनी का पहला संयंत्र है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के अगले ही दिन सीडीएस, तीनों सेनाध्यक्षों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में उन्होंने पूछा था कि अगर सरकार आदेश दे तो क्या सेना तैयार है। सिंह ने बताया, 'उन्होंने बिना एक पल गंवाए कहा कि बिल्कुल तैयार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने हमें पूरी छूट दी और आपने नतीजा देखा कि सीमा पर नहीं, बल्कि 100 किमी अंदर जाकर आतंकी ठिकाने तबाह किए गए। जैश-ए-मोहम्मद का एक बड़ा आतंकी कह रहा था कि मसूद अजहर के परिवार को भारत ने तबाह कर दिया।' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकियों को उनके धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्म (अपराध) देखकर मार गिराया। उन्होंने कहा, 'आतंकवादी हमारे लोगों को धर्म पूछकर मारते हैं, लेकिन भारत ने उनका धर्म नहीं देखा, सिर्फ उनके बुरे काम देखकर जवाब दिया है।' राजनाथ सिंह मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लाउदियी के साथ बैठक करेंगे। इसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर एक समझौता होने की संभावना है। इस समझौते के तहत प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग और नौसेना के सहयोग को बढ़ाया जाएगा। भारतीय नौसेना के जहाज पहले भी अक्सर मोरक्को के कासाब्लांका बंदरगाह जाते रहे हैं। भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

## राजभर को माइनर ब्रेन स्ट्रोक,डिप्टी सीएम खुद लोहिया लेकर पहुंचे,ढाई घंटे बाद परिवार मेदांता ले गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें चक्कर आ रहे थे। बोलने और चलने में भी दिक्कत हो रही थी। इसके बाद उन्हें आजमगढ़ से लखनऊ लाया गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक खुद उन्हें लेकर लोहिया अस्पताल पहुंचे। एडमिट कराया। 2-3 घंटे तक उनका लोहिया में इलाज चला। इसके बाद मेदांता अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। राजभर के इलाज के लिए मेदांता के एक्सपर्ट डॉक्टरों का पैनल बनाया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, स्ट्रोक अटैक के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। यहां आने के बाद उनकी सीटी स्कैन, खून समेत कई जांच कराई गई। फिलहाल उनकी कंडीशन स्थिर है। ओपी राजभर को रविवार को वाराणसी के कटिंग मेमोरियल स्कूल में सामाजिक समरसता भागीदारी रैली को संबोधित करना था। उन्हें आजमगढ़ से वाराणसी जाना था। वह जैसे ही कमरे से निकलने लगे, उन्हें तेज चक्कर आया और वे बेड पर ही बैठ गए। उनकी जुबान भी लड़खड़ाने लगी और बोलने में दिक्कत होने लगी। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला। रविवार दोपहर 1 बजे उन्हें लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल लाया गया। डिप्टी सीएम काफी देर तक उनके साथ रहे और उन्हें दिलासा देते नजर आए। लोहिया के प्रवक्ता और कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. भुवन तिवारी ने बताया- राजभर को चलने फिरने में परेशानी के अलावा बोलने में जुबान लड़खड़ा रही थी। शुरुआती जांच में कोई गंभीर बात निकलकर सामने नहीं आई।

## पिंडदान करके लौट रहे पति-पत्नी समेत 4 की मौत,कार नहीं बनी तो कार के आगे चादर बिछाके सो गए,ट्रक कुचलता हुआ निकल गया

प्रयागराज। 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। एक ही गांव के 8 लोग बोलेरो से वाराणसी से कानपुर जा रहे थे। देर रात उनकी बोलेरो खराब हो गई। रात में गाड़ी बन नहीं सकी, ऐसे में परिवार के लोग सड़क किनारे बोलेरो खड़ी कर उसके आगे ही चादर बिछाकर सो गए। सोमवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के आगे सो रहे 4 लोगों पर चढ़ गई। इसके बाद ट्रक भी रौंदता हुआ निकला। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि बोलेरो के अंदर बैठे 4 लोगों में से 3 लोग घायल हो गए। वहीं एक बुजुर्ग हादसे में बच गए। हादसा सोरांव थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। सड़क पर खून ही खून बिखर गया। वहां से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सोरांव पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रयागराज पुलिस ने कानपुर पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी है। सुरेश बाजपेई (55) और उनकी पत्नी तारा बाजपेई (50) जबकि चाचा राम सागर (65) और भतीजा सुरेश सैनी (50) की मौके पर ही मौत हो गई। कानपुर के थाना मूसानगर के गुलौली के रहने वाले थे। वहीं ममता देवी, प्रेमा देवी, और कोमल देवी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि प्रेम नारायण (60) साल को कोई चोट नहीं आई है।

## लाइव फांसी की कोशिश करने वाली लड़की अब आरोपी से शादी की पकड़ी जिद,रेप का आरोप लगाया, रोज रात में प्रेमी के घर काटती हैं बवाल

प्रयागराज। 5 सितंबर को लाइव फांसी लगाने की कोशिश करने वाली छात्रा अब उसी आरोपी से शादी करना चाहती है। उसने पहले उसके ऊपर नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाने कर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। उसके गंभीर आरोप के तहत उस युवक को जेल भेज दिया गया। अब छात्रा उसी आरोपी से शादी करना चाहती है। इसके लिए वह रोजाना उस युवक के घर पहुंचती है। वहां हंगामा करती है। कहती है कि जिसे जेल भेजा गया है, वह उसका प्रेमी है। उसके जेल से बाहर आते ही उससे शादी करेगी। इस पूरे घटनाक्रम के लिए वह अपने प्रेमी के बड़े भाई को विलेन करार दे रही है। छात्रा का कहना है दुष्कर्म प्रेमी के बड़े भाई ने किया था। उसे ही जेल भेजा जाए। वह प्रेमी के घर पहुंचकर पुलिस भी बुलाती है। कहती है प्रेमी के भाई को पकड़ो। उसके घर वाले भी उसकी तलाश में उस युवक के घर पहुंच जाते हैं, जिसे जेल भिजवाया है। अब 18 साल की इस छात्रा के सुर बदले हुए हैं। वह आधी रात उसी युवक के घर पहुंच जाती है, जिस पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। उसे वह अपना प्रेमी कह रही है। आवाज लगाती है। वीडियो बनाती है। पुलिस को भी बुलाती है कि आकर इंसाफ दिलाओ। छात्रा ने कई रात ऐसा किया। कभी खुद पुलिस बुलाई तो कभी प्रेमी के घरवालों ने पुलिस को फोन किया। प्रेमी को खुद ही जेल भिजवाने वाली छात्रा का कहना है कि उसकी शादी कराओ। साथ ही वह जिद पकड़े है कि सबकुछ प्रेमी के भाई की वजह से हुआ इसलिए उसे जेल भेजो। छात्रा देर रात घर से निकल यह नाटक करती है। पीछे-पीछे उसके घरवाले भी प्रेमी के घर पहुंच जाते हैं।

## नैनी में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़,स्कूल ले जाने वाला ई-रिक्शा चालक गिरफ्तार

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी ई-रिक्शा चालक सलमान उर्फ गुड्डू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 13 वर्षीय पीड़िता एक विद्यालय में पढ़ती है। आरोपी सलमान उसे स्कूल ले जाता और वापस लाता था। पीड़िता के पिता का आरोप है कि सलमान कई दिनों से उनकी बेटी से छेड़छाड़ कर रहा था। वह परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे रहा था। शनिवार को छात्रा ने यह बात अपने परिजनों को बताई। इसके बाद पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित परिवार मूल रूप से मीरजापुर के चुनार का रहने वाला है। वे पिछले 9 साल से नैनी के देवरख में रह रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी थाने पहुंचे। उन्होंने केस में धाराएं बढ़ाने और मकान मालकिन पर भी कार्रवाई की मांग की। नैनी के इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम ने बताया कि मामले में एससी-एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी जाएंगी। छात्रा के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## युवती की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप,मारकर लटकाने का आरोप

प्रयागराज। उतरांव इलाके में सोमवार सुबह एक युवती की लाश फंदे से लटकते पाई गई। ससुराल वालों का कहना है कि युवती ने फांसी लगाकर जान दे दी। जबकि मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। उनका कहना है कि युवती को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह साफ होगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उतरांव थाना क्षेत्र के नया पुरवा हनुमानगंज के रहने वाले मिथलेश भारतीय की पत्नी मनीषा कुमारी(26) का शव सोमवार की सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। मनीषा के बुआ का बेटा धर्मेंद्र का कहना है कि मौत की खबर पाकर जब परिवार के लोग घर पहुंचे तो मनीषा का शव बिस्तर पर रखा हुआ था। ससुराल के लोग घर से गायब थे। मनीषा के मायके वालों का आरोप है कि उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। दहेज के लिए ससुराल वालों ने उसे मारकर लटका दिया।पिता सुनील ने बताया कि तीन साल पहले बेटी की शादी किए थे। उसे कई महीने से दहेज के लिए परेशान किया जा रहा था। रात में फोन पर बात भी हुई थी। आज सुबह 11 बजे दमाद का फोन आया उसने कहा कि मनीषा की तबियत खराब है। हम लोग जल्दी से भागे और बिटिया के ससुराल पहुंचे। जब वहां पहुंचे तो सामने बेटी की लाश पड़ी थी।मामले में पुलिस का कहना है कि शव फंदे से लटका मिला है। पूछताछ की जा रही है।

# अंतिम निवास पर पितरों के तर्पण हेतु चल रहे गरूण पुराण का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। लोक मंच के अंतिम

निवास, सेक्टर-94 नोएडा में श्राद्ध पक्ष के अवसर पर आयोजित गरुड़ पुराण पाठ का समापन आज प्रातः 12:00 बजे से हवन, तर्पण एवं भंडारे के साथ विधिवत सम्पन्न हुआ। यह गरुड़ पुराण पाठ 15 दिनों तक 'श्री शिव शंकर कृपा निवास' में बाबा भोलेनाथ की कृपा उपस्थिति में उन आत्माओं के श्राद्ध तर्पण हेतु आयोजित किया गया था जिनका तर्पण नहीं हो सका। श्राद्ध पक्ष पूर्णिमासी 7 सितम्बर 2025 (रविवार) से प्रारम्भ हुआ था, और आज 21 सितम्बर 2025 (रविवार) को दोपहर 12:30 बजे अंतिम पूजन एवं समापन हवन सम्पन्न हुआ। समापन अनुष्ठान ज्योतिष रत्न गुरुजी गौतम ऋषि (अखिल भारतीय गुरुकुल एवं गौशाला अनुसंधान संस्थान), डॉ. हरीश मिश्रा (संरचना अभियंता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री हनुमद् सेवा संस्थानम् समिति) तथा आचार्य सौरभ दुबे की विशेष देखरेख एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों में नीरज सिंह (भाई पंकज सिंह), धर्मेंद्र चौहान, भूपेंद्र शर्मा, सी.बी. झा, निरंजन सक्सेना, मुकुल बाजपेई, विभा बंसल, इन्द्रा चौधरी, गौरव दुबे, अरुण ठाकुर, अल्का, राकेश, रूपेश सहित नोएडा लोक मंच अंतिम निवास का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने हवन में आहुति दी एवं भंडारे के प्रसाद का ग्रहण किया।

## ढ़ोल व नगाड़ो से शीतला माता मंदिर गूंज उठा,सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रही पुलिस फोर्स

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित

शक्तिपीठ मां शीतला मंदिर में शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री के स्वरूप की पूजा आराधना की गई। सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटी रही। मंदिर के पुजारी व अन्य पंडितों द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन कर मंत्रोचारण कर शंखनाद किया गया।तत्पश्चात मां का कपाट भक्तों के लिए दर्शन के हेतु खोल दिया गया। ढोल नगाड़ों के साथ पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। मां के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा।मध्यान व सांय आरती भी हुआ। उधर मंदिर परिसर में पंडितों ने रक्षासूत बांधकर भक्तों तिलक लगाया। मंदिर के पुजारी ने बताया कि मंगलवार को दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है यह ज्ञान और तप की देवी हैं।

## वाराणसी आ रही फ्लाइट का कॉकपिट खोलने की कोशिश,हाईजैक के डर से कैप्टन ने नहीं खोला

वाराणसी। बेंगलुरु से वाराणसी आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में एक यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। उसने दरवाजे का सही पासकोड भी डाला, लेकिन कैप्टन ने हाईजैक के डर से दरवाजा नहीं खोला। केबिन क्रू ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसके साथ के लोग आ गए। अंदर जाने की कोशिश करने लगे। एयरलाइंस कर्मियों ने उन्हें फटकार लगाते हुए सीट पर बैठाया। कैप्टन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी। एटीसी ने एयरपोर्ट अथॉरिटी को सूचना दी। जैसे ही विमान वाराणसी में लैंड हुआ, सीआईएसएफ ने आरोपी और उसके 8 साथियों को हिरासत में ले लिया। सूचना मिलते ही एटीएस, एलआईयू, सेंट्रल इंटेलिजेंस और साइबर क्राइम की टीम मौके पर पहुंची। सभी बेंगलुरु के निवासी हैं। लोकल पुलिस के जरिए उनके एड्रेस का वेरिफिकेशन कराया जा रहा है।

# सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में श्रीरामलीला महोत्सव का हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा श्रीरामलीला मंचन एवं श्रीरामलीला महोत्सव

2025 की जानकारी देने के उद्देश्य से सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया,जिसे समिति के प्रमुख पदाधिकारियों ने संबोधित किया और श्रीरामलीला महोत्सव 2025 की विस्तृत जानकारी दी।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली श्रीरामलीला का शुभारंभ कल स्थानीय सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.महेश शर्मा एवं स्थानीय विधायक पंकज सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ ही किया जायेगा।प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि 22 सितंबर से सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में प्रतिदिन लीला मंचन सायं 7 बजे से शुरू होगी और रात्रि 11 बजे तक चलेगी। 26 सितंबर को दोपहर 01 बजे सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से श्रीराम बारात शोभायात्रा निकलेगी,जो डीएम चौराहा,सेक्टर-4,हरोला,सेक्टर-9, 10, 11, 12, 22, 56 तिराहा,55,खोरा लेबर चौक होते हुए रामलीला मैदान पहुंचेगी,जहां राजा जनक राम बारात का स्वागत करेंगे।रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले श्रीरामलीला मंचन एवं श्रीरामलीला महोत्सव के दौरान 2 अक्टूबर को श्रीराम द्वारा रावण का वध होगा और उसके उपलक्ष्य में विजयदशमी उत्सव मनायी जायेगी।इस अवसर पर रावण,कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा एवं इन तीन पुतलों के अलावा महिला उत्पीड़न,भ्रष्टाचार और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के पुतलों का भी दहन किया जाएगा।03 अक्टूबर को श्रीराम-भरत मिलाप के साथ ही श्रीरामलीला मंचन व श्रीरामलीला महोत्सव का समापन होगा।लीला मंचन मुरादाबाद की प्रसिद्ध मंडली शिवाकला लोक कल्याण समिति के पचपन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।इस बार पुतले बहुत ही आकर्षक बनाये जा रहे हैं और उसकी लंबाई भी बढ़ायी जा रही है। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि इस बार मंच बड़ा बनाया जा रहा है और दर्शकों के बैठने के लिए ज्यादा सुविधाजनक बनाया जा रहा हैं।तीन मंच को जोड़कर एक बड़ा मंच बनाया जा रहा है।लोगों के बैठने की क्षमता भी बढ़ायी गई है।इस बार 5 हज़ार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी।एक हजार सोफा और चार हजार कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।इस बार लंका दहन और हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूटी लाने का प्रसंग क्रेन के माध्यम से आकाश में दिखाया जाएगा।समिति के चेयरमैन उमशंकर गर्ग ने बताया कि मंचन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी।नोएडा पुलिस,निजी सुरक्षा गार्ड के अतिरिक्त समिति के दो दर्जन स्वयंसेवक सुरक्षा कार्य में सहयोग करेंगे।सीसीटीवी कैमरे,अग्निशमन और ड्रोन की भी व्यवस्था रहेगी।इस बार शोभा यात्रा का स्वागत जगह-जगह होगा।स्थानीय नागरिक भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।शोभा यात्रा में 60-70 बैंड पार्टी के सदस्य,सात रथ व झांकियां होंगी,जो दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।प्रेसवार्ता में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, बजरंगलाल गुप्ता,पवन गोयल, राजकुमार गर्ग,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग,सहकोषाध्यक्ष अनिल गोयल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव मेहरोत्रा,तरुणराज,अनंतप्रकाश वर्मा,राजेश माथुर,सलाहकार मुकेश अग्रवाल,मुकेश गोयल,मनोज शर्मा, विपिन गुप्ता, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेड़िया,चक्रपाणि गोयल, एसएमगुप्ता, किशनलाल, सुधिर पोरवाल, नवीन पोरवाल, आरसीगुप्ता,ललित सिंहल,संतोष त्रिपाठी,बाबूराम शर्मा,रामकुमार शर्मा, मनीष चौहान, सहित रामलीला समिति के सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

# नए पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार ने संभाल चार्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नए पुलिस उपायुक्त

नगर मनीष कुमार ने चार्ज संभाल लिया है और अपनी पहली जनसुनवाई में भी बैठ गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने शहर की कानून व्यवस्था को बनाए रखने और आम जनता की समस्याओं को सुनने का निर्देश दिया। चार्ज संभालने के बाद मनीष कुमार की प्राथमिकताएं:- - कानून व्यवस्थाः शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधों पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता होगी।जनसुनवाईः आम जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। पुलिस प्रशासनः पुलिस प्रशासन को मजबूत बनाने और पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने पर भी जोर दिया जाएगा। मनीष कुमार के बारे में:नियुक्तिः मनीष कुमार की नियुक्ति पुलिस उपायुक्त नगर के पद पर की गई है।

# पिकनिक स्पॉट इको पॉइंट पर सोन प्रेरणा कैफे का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।स्थान इको पॉइंट मारकुंडी घाटी पर, सोन प्रेरणा कैफे का उद्घाटन जिलाधिकारी बद्रीनाथ के

द्वारा के द्वारा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने बताया कि सोमवार से मिशन शक्ति 0.5 का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा किया जा रहा है जिसके परिपेक्ष में महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में यह कदम उठाया गया है, जिसके तहत जनपद सोनभद्र के सबसे महत्वपूर्ण पिकनिक स्पॉट इको पॉइंट पर सोन प्रेरणा कैफे का शुभारंभ कराया जा रहा है, सोन प्रेरणा कैफे का संचालन सहयोगी स्वयं सहायता समूह, ग्राम-बिजौली, रावटसगंज सोनभद्र की सदस्य उषा देवी के द्वारा किया जाएगा, जिससे इन्हें सतत रोजगार का माध्यम उपलब्ध हो सकेगा। उपयुक्त स्वत रोजगार ने बताया कि इस कैफे पर आपको समूह द्वारा बनाइ गई सभी तरह की सामग्रियां एवं खाने पीने से संबंधित श्री अन्य मिलेप फूड से बनी सामग्रियां, फास्ट फूड जैसे चाय,कॉफी, बर्गर, चाऊमीन, मंचूरियन आदि चीज उपलब्ध होगी। जिलाधिकारी ने सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजीविका के क्षेत्र में निरंतर अभिनव प्रयास किया जा रहे हैं जिसके तहत आज इस प्रेरणा कैफे का शुभारंभ किया गया है आप लोग इसे नियमित रूप से संचालित करिए एवं अपने रोजगार को बधाईए आने वाले समय में अन्य पिकनिक स्पॉट पर भी इस तरह के प्रेरणा कैफे खोले जाएंगे जिससे कि समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग मिल सके। कार्यक्रम में जिला मिशन प्रबंधक, ब्लॉक मिशन प्रबंधक रॉबर्ट्सगंज, सहायक विकास अधिकारी आईएसबी रावटसगंज, जिला रिसोर्स पर्सन सीएलएफ मैनेजर, ग्राम प्रधान बिजौली एवं समूह की अन्य महिलाएं उपस्थित रहे।

## मातृभूमि सेवा मिशन का निःशुल्क योग शिविर सम्पन्न,स्वस्थ तन, प्रसन्न मन की ओर बढ़ता कदमःप्रदीप पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को रायबरेली के ऐतिहासिक स्थल शहीद स्मारक प्रांगण में मातृभूमि सेवा

मिशन - रायबरेली इकाई द्वारा संचालित दैनिक निःशुल्क प्रातः योग शिविर रविवार को अनुशासित और ऊर्जावान वातावरण में सम्पन्न हुआ। शहीद स्मारक जैसा ऐतिहासिक स्थल न केवल बलिदान की स्मृतियों को जीवित करता है, बल्कि अब यहां योग साधना के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण का संदेश भी गूंज रहा है। यह पुनीत कार्य मिशन द्वारा ऐसे महत्वपूर्ण स्थल पर किया जा रहा है, जहाँ से लोग स्वस्थ हो रहे हैं, प्रसन्नता पा रहे हैं और अपनी दिनचर्या को संतुलित बना रहे हैं।योग शिक्षिका सोनम गुप्ता ने साधकों को कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम कराए, जिससे मन को शांति और शरीर को ऊर्जा मिली। योग प्रशिक्षक राज अग्रहरी ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, त्रिकोणासन और भुजंगासन जैसे आसनों का अभ्यास कराकर लचीलापन व ताकत बढ़ाने पर बल दिया। वहीं अनूप शर्मा ने योगाभ्यास का संचालन और अनुशासन कायम रखते हुए शिविर का समापन राष्ट्रगान से कराया। संयोजक प्रदीप पाण्डेय ने कहा– 'योग सकारात्मक सोच और नई ऊर्जा का मार्ग है। यह तन, मन और आत्मा को जोड़कर व्यक्ति को संतुलित और प्रसन्न बनाता है।' शिविर में बड़ी संख्या में साधक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से देवेन्द्र मिश्रा, पिंकू सिंह, राकेश यादव, संदीप यादव, अनुज, दिनेश पाण्डेय, रश्मि पाण्डेय, रीना मिश्रा, कनक मोनी सिंह, शिवशंकर पाण्डेय, प्रकाश, अतुल पाण्डेय, अतुल पांडेय माया, गीता,आदि।

## ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल रायबरेली द्वारा सामूहिक पितृ विसर्जन कराया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को ओम

शिव शक्ति मानव सेवा मंडल रायबरेली शाखा द्वारा दैनिक भंडारा स्थल पर सामूहिक पितृ विसर्जन का कार्य किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री राजेंद्र अवस्थी द्वारा 25 ब्राह्मणों के द्वारा पित्त विसर्जन संबंधी कर्मकांड कार्य सम्पन्न कराया गया। तत्पश्चात सभी 25 ब्राह्मणों को भोजन कराया गया। उनको तिलक लगाकर, तुलसी एवं गुलाब की माला पहनाई गई। तत्पश्चात उन्हें भोजन कराया गया और उन्हें पांच बर्तन थाली,2 कटोरी, गिलास ,चम्मच, पांच प्रकार के वस्त्र कुर्ता, बनियान, गमछा, रुमाल और अंडरगारमेंट, भगवत गीता की पुस्तक भेंट की गई। साथ ही उन्हें दक्षिणा भी प्रदान की गई। इस प्रकार ओम शिव शक्ति सेवक मंडल द्वारा सामूहिक रूप से ज्ञात- अज्ञात,जाने - अनजाने, इस जन्म के ,अन्य जन्म के ,पितरों को विदाई दी गई। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी श्री महेंद्र अग्रवाल मंडल संरक्षक श्री राजेंद्र अवस्थी मंडल अध्यक्ष श्री राम प्रकाश श्रीवास्तव बर्फानी श्री रामराज गिरी श्री मंटू शुक्ला श्री जगदीश चैनानी और पंकज मिश्रा आदि संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे.

# जीएसटी सुधार से व्यापार आसान, स्वदेशी अपनाने पर भी जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के

पदाधिकारियों ने सोमवार को रॉबर्ट्सगंज नगर के व्यापारियों के बीच जाकर जीएसटी सुधार की जानकारी दी और साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वदेशी अपनाओ अपील को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए टू-स्लैब जीएसटी व्यवस्था लागू की है। अब वस्तुओं पर केवल 5 और 18 प्रतिशत की दर से कर लगेगा, जबकि कुछ आवश्यक वस्तुओं को जीएसटी से पूरी तरह मुक्त रखा गया है। इससे कारोबारियों को न सिर्फ बिलिंग और टैक्स जमा करने में आसानी होगी बल्कि उपभोक्ताओं को भी सीधा लाभ मिलेगा। छोटे व्यापारियों के लिए ई-वे बिल की सीमा बढ़ाए जाने को भी उन्होंने बड़ा कदम बताया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत का संदेश दे रहे हैं। ऐसे में व्यापारियों की जिम्मेदारी है कि वे विदेशी वस्तुओं की बजाय स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और ग्राहकों को भी इसके लिए प्रेरित करें। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि जीएसटी सुधार और स्वदेशी पर जोर, दोनों मिलकर व्यापार को नई दिशा देंगे। नई व्यवस्था से टैक्सेशन सरल होगा और ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ेगा। अभियान में मंडल के जिला महामंत्री राजेश बंसल, युवा व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष रमेश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश केशरी, नगर अध्यक्ष आनंद जायसवाल, महिला जिलाध्यक्ष रितु अग्रहरी तथा फल-सब्जी मंडी अध्यक्ष श्याम बाबू सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

# नवरात्रि दुर्गा पूजा में शहर सहित वार्ड में भी हो साफ सफाईःरूबी प्रसाद

### नगर पालिका नगर पंचायत में कुल आय 25 शिकतों का हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन

शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3. नगर पंचायत घोरावल में 0, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबरा में 3. नगर पंचायत रेनुकूट में 1. नगर पंचायत पिपरी में 4, नगर पंचायत दुद्धी में 4. नगर पंचायत डाला बाजार में 1. नगर पंचायत अनपरा मे 3, समस्त निकायों में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है वहीं उपाध्यक्ष ने बताया कि नवरात्रि व दुर्गा पूजा को लेकर नगर सहित वार्डों की भी हो साफ सफाई,इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर जेई राज कुमार,सभासद अनवर अली, मनोज चौबे, राकेश कुमार एवं कर्मचारी अजीत सिंह , विमलेश कुमार, संत सोनी, सुजीत कुमार, विमलेश कुमार राजीव कुमार,अमित दुबे आदि उपस्थित रहे।

# रोजगार मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा लगभग 1500 पदों पर की जायेगी चयन की कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन

कार्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 24.09.2025 को पंडित हनुमत्त दत्त त्रिपाठी इण्टर कालेज इस्माइलगंज प्रयागराज परिसर में प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है। उक्त मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा लगभग 1500 रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी। रोजगार मेले में हाईस्कूल/इण्टर/स्नातक/आई0टी0आई0/डिप्लोमा/बी0टेक उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.inपर अपना पंजीयन करके अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाणपत्र, अंक-पत्र एवं जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी रिक्तियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण रोजगार संगम पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। इस मेले में प्रतिभाग हेतु यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। यह जानकारी सहायक निदेशक सेवायोजन, प्रयागराज ने दी है।

# 35वां विशाल दंगल-स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में हुआ भव्य आयोजन

## केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, यूपी के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह और पूर्व मंत्री डीपी यादव ढाई लाख की कुश्ती के पहलवानों का मिलवाया हाथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह

की पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में आयोजित 35वां विशाल दंगल इस बार भी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, ब्लॉक प्रमुख सहसवान विक्रांत यादव और सत्येंद्र यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ-साथ दूर-दराज से आए पहलवानों और दर्शकों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- दंगल में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, उत्तरप्रदेश के परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिँह, पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद डी.पी. यादव और दादरी विधायक तेजपाल नागर मौजूद रहे। इस मौके पर सात बार के नेशनल कुश्ती विजेता कैप्टन मलखान सिंह की उपस्थिति ने आयोजन की शान और बढ़ा दी।ढाई लाख की कुश्ती बनी आकर्षण का केंद्र- पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने बताया कि इस दंगल में 350 से अधिक कुश्तियां लड़ी गईं, जो रात लगभग 9:30 बजे तक जारी रहीं। सबसे बड़ी और अंतिम कुश्ती का इनाम ढाई लाख रुपये रखा गया था, जिसे कलुआ गुर्जर ने जीतकर क्षेत्र का मान बढ़ाया। दर्शकों ने इस मुकाबले का जमकर लुत्फ उठाया। ढाई लाख की कुश्ती के अलावा एक लाख, 51,000 और 21,000 रुपये की इनामी कुश्तियों ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। पहलवानों ने अपने दमखम से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। यह दंगल स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में पिछले 35 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। श्याम सिंह दो बार ग्राम प्रधान और एक बार जिला परिषद सदस्य रहे थे। उन्होंने अपने क्षेत्र की बेटियों के लिए कन्या विद्यालय की नींव रखी ताकि बेटियों की पढ़ाई मै कोई बाधा न आए। बाद मै पूर्व मंत्री डीपी यादव ओर पूर्व एम एल सी जीतेन्द्र यादव ने उस विद्यालय का विस्तार करते हुए भव्य बिल्डिंग के साथ इंटर कालेज

की मान्यता करवाते हुए बेटियों के लिए आगे रास्ते और आसान कर दिए। श्याम सिंह जी की मृत्यु के पश्चात उनकी पत्नी अब स्वर्गीय शांति देवी एवं जीतेन्द्र यादव के प्रयास से एक बड़ी भूमि जिसमे बड़े बड़े गड्ढे थे उसमे लाखों रूपये की मिट्टी से भराव कराकर गांव के गरीब एवं विधवा बेटियों को प्लाट के रूप मे दिए गए। इसके साथ ही बच्चों मै खेल भावना को बढ़ावा देने की भावना से नोएडा प्राधिकरण से 45 करोड़ रूपये पास कराकर एक शानदार स्टेडियम भी ग्रामवासियों को समर्पित किया। श्री श्याम सिंह ने अपने जीवन काल मै हमेशा गरीब मजलूमों की आवाज बुलंद करते हुए उनके सपने पुरे किए उनके द्वारा शुरू किए गए सभी सामाजिक कार्यों को उनकी मृत्यु के बाद से लगातार उनके भाई पूर्व मंत्री डीपी यादव और उनके पुत्र पूर्व एम एल सी जीतेन्द्र यादव लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। श्री श्याम सिंह की स्मृतियों को जीवित रखने के लिए यह आयोजन न सिर्फ खेल परंपरा को आगे बढ़ा रहा है बल्कि ग्रामीणों को एकता और उत्साह का संदेश भी दे रहा है।

# खुदरा बाजार में जान फूंकने के लिए प्रधानमंत्री जी को बधाई - विकास जैन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। खुदरा बाज़ार में नई जान फूंकने के लिए मोदी जी ने जो ऐतिहासिक क़दम उठाया है.उसके लिए व्यापारी जगत मोदी जी का हमेशा आभारी रहेगा। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विकास जैन ने बताया कि मोदी जी के विशेष प्रयासों से अब घर बनाने से लेकर गाड़ी लेना तक सब कुछ सस्ता हो जाएगा। त्योहारी दिनों में यह मोदी जी का एक ऐसा बम है जिसकी आवाज़ पूरी दुनिया को सुनाई पड़ेगी। भारत को विकासशील से विकसित बनाने में अब कोई नहीं रोक सकता है.भारत में निर्मित वस्तुओं के प्रयोग से लेकर विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार पर प्रधानमंत्री मोदी जी ने जन जन को संदेश दिया। एक समय था जब जीएसटी आयी थी उससे पहले व्यापार करना भी मुश्किल था त अलग अलग राज्यों से सामान मंगाने पर विभिन्न प्रकार के टैक्स लगते थे और रेट भी अलग होते थे त जीएसटी के बाद पूरे देश में व्यापार करना बहुत ही आसान हो गया। ज़रूरत के हिसाब से पिछले सात सालों में देश से टैक्स लिया गया त जैसे ही देश की ज़रूरतें कम हुई तो हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने तत्काल प्रभाव से जीएसटी को बहुत ही सरल और कम कर दिया। दिवाली के इस महान उत्साह में मोदीजी के द्वारा किया गया प्रयास स्वदेशी को और बढ़ावा देगा त देश का रोज़गार बढ़ेगा और युवा शक्ति अपने प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करेगी। सरकार द्वारा खाने पीने की वस्तुओं को और एग्रीकल्चर, मेडिकल इंश्योरेंस को टैक्स मुक्त करने से मध्यम वर्गीय परिवारों को बहुत बड़ा फ़ायदा मिलेगा। जिस प्रकार हमारे देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और दुनिया में दूसरे तीसरे नंबर पर क़ब्ज़ा किये हुए है वो दिन दूर नहीं जब हम दुनिया की प्रथम अर्थव्यवस्था के तौर पर काम करेंगे।

# विश्व ब्रह्म ऋषि ब्राह्मण महासभा का स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से संपन्न,मातृ-पितृ उत्कृष्ट सेवा करने वालों को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाजियाबाद लोहिया नगर हिंदी भवन विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ भगवान परशुराम की अनुकंपा से ज्योति प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एक्स य ज ने ज्योति प्रज्वलित कर किया तत्पश्चात मातृ-पितृ उत्कृष्ट सेवा करने वालों को 'श्रवण कुमार' पुरस्कार/उपाधि से 108 महानुभावों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय महेश शर्मा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार के कर

कमलो द्वारा यह उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में यह ऐतिहासिक कार्यक्रम देश में पहली बार मातृ-पितृ उत्कर्ष सेवा करने वालों को सम्मानित कर मेरा मन बड़ा गौरवान्वित महसूस कर रहा है महेश शर्मा ने बताया कि भारत में ब्राह्मणों ने साहित्य, संस्कृति, धर्म, विज्ञान, राजनीति और स्वतंत्रता आंदोलन में व्यापक योगदान दिया है, ज्ञान के प्रसार से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक. धार्मिक अनुष्ठानों, वेदों के संरक्षण, समाज सुधार, और स्वतंत्रता सेनानियों के रूप में उन्होंने भूमिका निभाई है. स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने संविधान लागू करने और देश को सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, हालांकि बाद में उनकी स्थिति में बदलाव आए हैं. शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण वर्ण का इतिहास प्राचीन भारत के वैदिक काल से शुरू होता है, जहाँ उन्हें समाज का सर्वोच्च वर्ग माना जाता था, जो ब्रह्म के मुख से उत्पन्न हुए थे. पारंपरिक रूप से, उनका मुख्य कार्य ज्ञान अर्जित करना, वेद पढ़ाना, धार्मिक अनुष्ठान और यज्ञ करवाना था. समय के साथ, ब्राह्मण समुदाय में विभिन्न उपजातियाँ विकसित हुईं, और उन्होंने विज्ञान, साहित्य, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. आधुनिक भारत में, उनके उच्च सामाजिक स्थान और शिक्षा के कारण ब्राह्मणों ने समाज के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, हालांकि

जातिगत भेदभाव आज भी एक समस्या है.पूर्व राज्यसभा सांसद डॉक्टर अनिल अग्रवाल ने कहा कि ब्राह्मण की सबसे बड़ी शक्ति उसका ज्ञान और विद्वत्ता है, जो उसे समाज में सम्मान दिलाती है. गाजियाबाद लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा ब्राह्मण समाज में विद्या का प्रकाश फैलाने, दान देने-लेने, यज्ञ करने-करवाने और आध्यात्मिक शिक्षा देने जैसे कार्य करता है. इसके अतिरिक्त, शांति, आत्म-संयम, पवित्रता, ईमानदारी और धार्मिकता जैसे स्वाभाविक गुण भी ब्राह्मण की शक्ति के महत्वपूर्ण अंग माने जाते हैं, जिनके माध्यम से वह समाज के कल्याण में योगदान देता है. और यह गुण में विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान में देखता हूं मैं इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए सभी पदाधिकारी को एवं भी प्रबंधोंको साधुवाद देता हूं इस अवसर पर देवी मंदिर के महंत गिरिशानंद गिरी, शैलेंद्र गिरी, वरिष्ठ समाज सेवी वीके अग्रवाल,पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली विजय कृष्णा पांडे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय शर्मा विश्व ब्रह्म ऋषि ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महासचिव शैलेंद्र शर्मा कार्यक्रम संयोजक नानक चंद शर्मा, उर्फ शालू, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र शर्मा धर्माचार्य प्रमुख बृज किशोर बृजवासी लोकेश कौशिक विनीत शर्मा राकेश शास्त्री आरसी शर्मा मधु शर्मा प्रीति राय चंद्र सीमा भार्गव प्रमोद कुमार शर्मा डॉ सतीश भारद्वाज कपिल पंडित विनीत कुमार शर्मा देवेंद्र शर्मा शिवकुमार शर्मा मनोज शर्मा देवाशीष ओझा संजय कुमार शुक्ला रघुनंदन भारद्वाज ऋषिपाल शर्मा नीरज शर्मा अमित शर्मा अशोक भारतीय राहुल शर्मा सुभाष शर्मा कार्तिक शर्मा अंकित शर्मा सचिन भारतीय सुजीत कुमार एसपी गुप्ता दिनेश गौतम आदि मौजूद थे।

# उत्साह के साथ मिशन शक्ति फेस-5.0 का शुभारम्भ

## महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से स्वयं सिद्धा टीम द्वारा एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था, राजीव नारायण मिश्र एवं अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, अजय कुमार द्वारा हरी झण्डी दिखाकर मिशन शक्ति फेस-5.0 के अन्तर्गत जागरूकता बाइक रैली की शुरुआत की गई। इस अवसर पर डीसीपी यातायात, डॉ0 प्रवीण रंजन, अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ाया। शुभारम्भ के अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता को जन-जन तक पहुँचाने हेतु गठित स्वयं सिद्धा टीम द्वारा एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली जीआईपी मॉल, नोएडा से प्रारम्भ होकर थाना सेक्टर-24 क्षेत्रान्तर्गत सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम तक पहॅुची। रैली में बड़ी संख्या में महिला पुलिस कर्मी, स्वयं सिद्धा टीम की सदस्याएँ एवं एण्टी रोमियों टीम, पी0आर0वी0 टीम सम्मिलित हुईं। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने 'नारी शक्ति - नारी सुरक्षा' का संदेश देते हुए आमजन को जागरूक किया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त और जागरूक बनाना है। साथ ही, समाज में उनके सम्मान एवं अधिकारों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना भी इस कार्यक्रम की मूल भावना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा स्पष्ट किया गया कि महिला सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। मिशन शक्ति जैसे अभियानों से महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार होगा और आमजनमानस में नारी सम्मान की भावना और अधिक प्रबल होती है।

# नवरात्रि मेले की तैयारियाँ पूरीः पुलिस और प्रशासन ने संभाली कमान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। नवरात्रि पर्व को लेकर मैहर में पुलिस और

प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। कलेक्टर रानी बाटड एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने मंदिर क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि मेला क्षेत्र और आसपास के सभी प्रमुख स्थानों पर चाक-चौबंद सुरक्षा की गई है। पुलिस बल द्वारा मेले में पैदल गश्त के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में मोटरसाइकिल से पेट्रोलिंग की जाएगी। इसके अलावा मंदिर के ऊपरी और निचले हिस्से में ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। मेला क्षेत्र में सबसे अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सुरक्षा के लिए एडिशनल एसपी, 6 डीएसपी, इंस्पेक्टर, उपनिरीक्षक एवं लगभग 600 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।मेले की लगातार निगरानी पुलिस अधीक्षक अवधेश सिंह करेंगे, जबकि मेला इंचार्ज एडिशनल एसपी डॉ. चंचल नगर को बनाया गया है।

# सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर का त्रिवार्षिक नौवां जिला सम्मेलन हुआ संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू गौतम बुध नगर

कमेटी का त्रिवार्षिक नौवां जिला सम्मेलन आज 21 सितंबर 2025 को सामुदायिक केंद्र अंबेडकर भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.सम्मेलन की जानकारी देते हुए सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में सीटू जिला महासचिव रामसागर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर व्यापक विचार विमर्श कर पिछले 3 साल के कामकाज की समीक्षा के साथ- साथ आगामी 3 वर्षों की कार्य योजना/ दिशा तय की गई साथ ही नई जिला कमेटी का चुनाव किया जिसमें मुकेश कुमार राघव अध्यक्ष, रामसागर उपाध्यक्ष, राम स्वारथ महासचिव, गंगेश्वर दत्त शर्मा व नरेंद्र पांडे सचिव, पारस रजक सह सचिव सुनील पंडित कोषाध्यक्ष तथा लता सिंह, पूनम देवी, किरण देवी, रंजीत तिवारी, मौ. फिरोज, राम सूचित, धर्मेंद्र गौतम, गुडिया देवी, हरि गुप्ता, जोगेन्द सैनी, मोहन सिंह, राजकरण सिंह, मनोज शाह, बलराम चौधरी, रामकिशन सिंह को जिला कमेटी सदस्य चुनाव गया। साथ ही जिले में मेहनतकशों के ज्वलंत मुद्दों व कई प्रस्तावों पर चर्चा कर संघर्ष की रूपरेखा तय की गई। सम्मेलन में सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनुराग सक्सैना ने उद्घाटन भाषण व राज्य अध्यक्ष कामरेड वीरेंद्र गौड़ ने समापन भाषण रखा। सम्मेलन में प्रस्तुत रिपोर्ट पर दर्जनों कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व सुझाव रखें। सम्मेलन में किसान सभा जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा, जनवादी महिला समिति समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान, डूटा शिक्षक संघ के नेता कामरेड राजीव कुंवर ने बधाई संदेश रखा। सम्मेलन में झंडा रोहण कामरेड नरेंद्र पांडे ने किया तथा अध्यक्षता मुकेश कुमार राघव, हुक्म सिंह, अमीचंद ने किया।

# नोएडा में जेठा एतवार पर्व पर भव्य भजन-कीर्तन व झंडा समारोह

## नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष अलोक द्विवेदी जी का भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जेठा एतवार के पावन

अवसर पर सेक्टर-62 स्थित बाबा बालक नाथ सिद्ध पीठ में रविवार को भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम शाम 3 बजे से शुरू होकर देर रात तक चलता रहा। इसमें भजन-कीर्तन, सत्संग एवं झंडा समारोह का आयोजन किया गया। बाबा बालक नाथ जी के साथ-साथ गोगा जाहरवीर जी का भी झंडा एवं चादर चढ़ाई गई। इसके उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया।इस धार्मिक आयोजन का सीधा प्रसारण बाबा बालक नाथ सिद्ध पीठ सेक्टर-62 नोएडा के यूट्यूब चैनल पर किया गया, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने भी धार्मिक भजन और सत्संग का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी की मौजूदगी रही। गौरतलब है कि देश के सबसे बड़े मीडिया हब नोएडा में हाल ही में नोएडा मीडिया क्लब के चुनाव सम्पन्न हुए थे, जिनमें आलोक द्विवेदी अध्यक्ष चुने गए। आलोक द्विवेदी ने इस मौके पर कहा कि वो महादेव और उनके अवतार बाबा बालक नाथ के भक्त हैं और उनके आशीर्वाद से ही विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्हें और उनकी विजय मिली। कार्यक्रम में क्लब के कोषाध्यक्ष मनोज वत्स और वरिष्ठ पत्रकार मुकेश गुप्ता सहित कई पत्रकार मौजूद रहे। इस धार्मिक आयोजन में मौजूद श्रद्धालुओं ने नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी और उनकी टीम का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। इस मौके पर बाबा बालकनाथ मंदिर के महंत ने आए अतिथियों और भक्तों को आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम में आचार्य रोहित और ज्योति जी ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में विनोद कुमार, मीना जी, दीपक खन्ना और सुनीला जी मौजूद रहे।

# शहर में होगा डांडिया धमाल,परिवार के साथ लीजिए गरबा का आनंद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नवरात्रि के पावन अवसर पर नोएडा शहर में डांडिया उत्सव का आयोजन किया जा रहा है,

आगामी 27 और 28 सितंबर को एनसीआर बिगेस्ट डांडिया धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, कार्यक्रम को लेकर रविवार को नोएडा मीडिया क्लब में कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा प्रेसवार्ता की गयी, प्रेसवार्ता के दौरान कार्यक्रम के आयोजक जतिन भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया की नवरात्रि के शुभ अवसर पर आगामी शनिवार 27 सितंबर और रविवार 28 सितंबर को सेक्टर 123 स्थित एनसीआर स्पोर्ट्स ग्राउंड में दो दिवसीय डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हर कोई अपने परिवार के साथ हिस्सा ले सकता है और इस महोत्सव में शामिल हो सकता है, दो दिवसीय कार्यक्रम शाम पांच बजे से रात 10 बजे के बीच रहेगा जिसमें डांडिया के साथ साथ बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, अलग अलग जगहों के पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजन और शॉपिंग के लिए भी स्टाल मौजूद होंगे, जहाँ पर कोई भी अपने परिवार के साथ पहुँचकर आयोजन का लुफ्त उठा सकता है, उन्होंने बताया की कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मशहूर डीजे तरन रहेंगे साथ ही आरजे गौतम,हरयाणवी कलाकार प्रियंका पीके समेत राजा गुर्जर और अन्य सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में एंट्री टिकट के जरिए होगी जिसका मूल्य सिंगल एंट्री 499 रुपए और कपल एंट्री 900 रुपए रखा गया है, कार्यक्रम के टिकट बुक माय शो और घुमलो एप के जरिए लोगों को मिल सकेंगे। भारद्वाज ने बताया की यह डांडिया नाइट्स सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि यह खुशियों, संगीत और नृत्य का जश्न भी हैं।

## मुकुट पूजन के साथ सोनभद्र नगर की 123 साल पुरानी रामलीला का हुआ शुभारंभ,पहले दिन की रामलीला में नारद मोह की लीला का हुआ मंचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर स्थित श्री रामलीला मैदान में 123 सालों से लगातार आयोजन हो रहे सोनभद्र नगर की रामलीला का शुभारंभ रविवार की देर रात मुकुट पूजन के साथ हुआ। इसके पूर्व समिति के पदाधिकारीयों ने नगर के प्राचीन मंदिर ब्रह्मा बाबा और बांके बिहारी मंदिर में पूजन- अर्चन किया।वहीं रामलीला के प्रथम दिन श्री रामचरितमानस मंडली मांडा के कलाकारों द्वारा नारद मोह के लीला का सुंदर मंचन किया गया। वहीं रामलीला देखने आए दर्शकों ने खूब आनंद लिया। इस अवसर पर रामलीला समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह,अध्यक्ष पवन कुमार जैन, राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, धर्मवीर तिवारी, आनंद मिश्रा सुशील पाठक, नरेंद्र गर्ग, कृष्ण मुरारी गुप्ता,विजय कनोडिया, प्रशांत जैन, चन्द्र कुमार केजरीवाल, बलराम सोनी, हर्ष केसरी,चंद्रभूषण देव पांडे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा तैयारी शुरू,परिसर में साफ-सफाई कर नवरात्रि महोत्सव की तैयारी सपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय एवं मुख्य व्यवस्थापक विष्णु दुबे ने बताया कि सोमवार को सुबह दस बजे मंदिर में कलश स्थापना के साथ नवरात्रि महोत्सव की शुरुआत होगी। नियमित सुबह-शाम पूजा आरती भोग प्रसाद वितरण के साथ साथ अष्टमी तिथि को माता रानी का भव्य श्रृंगार और एक अक्टूबर को कन्या भोजन व हवन विसर्जन होगा। मुख्य यजमान प्रशांत पाण्डेय ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दो अक्टूबर को कलश विसर्जन धूमधाम से करते हुए एकादशी तीन अक्टूबर को मंदिर परिसर में भंडारा एवं चार अक्टूबर को गौशाला में भंडारा करते हुए नवरात्रि महोत्सव का समापन होगा।साफ-सफाई के दौरान राहुल, अमित पाण्डेय, कन्हैया पाण्डेय, मुरली उपस्थित थे।

## सरौली में गोवर्धन पूजा व भंडारे की तैयारी तेज, समिति गठित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । करमा विकास खंड के सरौली गांव स्थित डीह बाबा मंदिर परिसर में आगामी 3 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दिनभर पूजन-अर्चन और भंडारे का कार्यक्रम होगा, जबकि रात्रि में बिरहा का सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा।आयोजक समिति के संयोजक मारकंडेय यादव ने बताया कि कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए गांववासियों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक समिति का गठन किया गया है। समिति में छोटे लाल यादव को अध्यक्ष, हौसिला पाल को उपाध्यक्ष, श्रीपति बियार को सचिव तथा विजयानंद भारती और राजीव विश्वकर्मा को कोषाध्यक्ष, रवि यादव को सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है।समिति ने बताया कि मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। श्रद्धालुओं के बैठने और भंडारे के लिए अलग-अलग पंडाल लगाए जाएंगे। साथ ही पेयजल व प्रकाश व्यवस्था की भी पूरी तैयारी की जा रही है। भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्वयंसेवकों की टीम बनाई गई है।गांव के लोगों में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह है। श्रद्धालुओं का मानना है कि हर साल की तरह इस बार भी गोवर्धन पूजा धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगी।

## प्रदर्शनी के जरिए दिखी आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर गया। लाभार्थियों की कहानियाँ भी प्रदर्शनी का आकर्षण बनीं। अवलोकन के दौरान डॉ. अनिल कि हर व्यक्ति अपने अधिकारों और योजनाओं की जानकारी से अपने आप को जुड़ा महसूस करे।

भारतीय जनता पार्टी पूरे देशभर में सेवा पखवाड़ा मना रही है। इसी क्रम में रविवार को रॉबर्ट्सगंज स्थित आरटीएस क्लब में लगे विकास प्रदर्शनी का अवलोकन घोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देश के लिए नई उम्मीद और विकास का मार्ग लेकर आया है। आज हर योजना आम जन तक पहुँच रही है और देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेज़ी नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव और महिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य केवल योजनाओं को दिखाना नहीं है, बल्कि आमजन को जागरूक करना और उन्हें

### आरटीएस क्लब में भाजपा नेताओं ने किया विकास प्रदर्शनी का अवलोकन

कुमार मौर्य और भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने किया। विकास प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों को विस्तारपूर्वक प्रदर्शित किया गया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जनधन योजना, किसान सम्मान निधि, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं को विशेष स्थान दिया से बढ़ रहा है। यह प्रदर्शनी हमारी सरकार की पारदर्शिता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य योजनाओं की जानकारी आम जन तक पहुँचाना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से लोग सीधे लाभार्थियों की कहानियों और योजनाओं के प्रभाव को समझ पाएंगे। हम चाहते हैं विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को और मजबूती देने का प्रयास कर रहे हैं और उनकी लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष कृष्णा पटेल, शाहगंज मंडल अध्यक्ष मनीष पटेल, राहुल सिंह पटेल, अभिषेक गुप्ता, राजन गुप्ता, राजेश बल्ला समेत कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और स्थानीय जनता उपस्थित रही।

# व्यवस्था परिवर्तन के लिए बाबू जगदेव प्रसाद का रास्ता ही उपयोगी - डॉ सुषमा मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 21 सितम्बर रविवार को राबर्ट्सगंज के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में महात्मा फुले फाउंडेशन के बैनर तले अमर शहीद क्रांतिकारी नेता भारत लेनिन के नाम से मशहूर बाबू जगदेव प्रसाद जी की 152 वी शहादत दिवस अधिकार दिवस के रूप में सुमंत सिंह मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबू जगदेव प्रसाद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि द्वय जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव डॉ सुषमा मौर्य व राबर्ट्सगंज लोकसभा सदस्य छोटे लाल सिंह खरवार ने किया, इस दौरान उपस्थित जनों ने बाबा साहब का सपना ही जगदेव तुम्हारा नारा है, 100 में 90 शोषित हैं शोषितों ने ललकारा है, धन धरती और राजपाटमें 90 भाग हमारा है जैसे नारे के साथ जोरदार आगाज किया। शहादत दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए **मुख्य अतिथि डॉ सुषमा मौर्य राष्ट्रीय महासचिव जन अधिकार पार्टी ने कहा कि** बाबू जगदेव प्रसाद जी का संघर्ष सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं था उनका संघर्ष सत्ता परिवर्तन के साथ ही साथ व्यवस्था परिवर्तन का था । बाबू जगदेव प्रसाद भारत के गरीबों, पिछड़ों के लिए पूंजीवाद व साम्यवाद दोनों को खतरनाक मानते थे वो समता मूलक समाज की स्थापना के लिए समाजवादी विचारधारा को स्थापित करना चाहते थे उन्होंने जमीदारों द्वारा लागू की गई पंचकठिया प्रथा के सख्त विरोधी थे और अपने अदम्य साहस और पुरुषार्थ से इसको बंद कराए थे। उन्होंने भारतीय समाज को दो भागों में विभाजित किया एक शोषक समाज जिसकी संख्या देश में 10फीसदी है वही दूसरा शोषित समाज जिनकी संख्या 90फीसदी है, यह 10फीसदी वाले 90फीसदी पर राज कर रहे हैं इसलिए उन्होंने कहा कि 10 का शासन 90 पर नहीं चलेगा नहीं चलेगा । आज हमलोग शहीद दिवस अधिकार दिवस के रूप में मना रहे है तो हमें अपना अधिकार पाने के लिए बिना रुके, बिना झुके, बिना टूटे अनवरत संघर्ष करना होगा यही एक मात्रा शोषितों के लिए रास्ता है। **मुख्य अतिथि छोटेलाल सिंह खरवार लोकसभा सांसद राबर्ट्सगंज ने कहा कि** जिस प्रकार से जो काम दक्षिण में परियार ई0 वी0 रामास्वामी नायकर, महाराष्ट्र में ज्योतिवा राव फुले, सावित्रीबाई फुले और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने किया वही काम बिहार और उत्तर प्रदेश में बाबू जगदेव जी समता मूलक समाज की स्थापना और मानववाद की ऐसी स्थापना चाहते थे जिसमें ना कोई ऊंच हो और ना कोई नीच हो, बाबू जगदेव आडंबर और पाखंड के भी पुरजोर विरोधी थे इसलिए उन्होंने अर्जक संघ की स्थापना कर लोगों को अंधविश्वास व अंध श्रद्धा से बाहर निकालने का अभियान चलाए । हक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए संघर्ष करने को प्रेरित किये क्योंकि वह कहा करते थे की सम्यक से शोषकों को फायदा होता है जबकि संघर्ष से शोषितों का भला होता है इसलिए उठो लाडो और जमीन, धन- दौलत की तर्ज पर सत्ता हड़पो तभी तुम्हारा भला हो सकेगा क्योंकि सत्ता से ही अपनी बिगड़ी बना सकते हो और यह काम वर्तमान में सिर्फ पीडीए के लोग कर रहे है यदि हमें अपनी बिगड़ी बनानी है तो पीडीए के लोगों को साथ खड़ा होना होगा।**अति विशिष्ट अतिथि डॉ0 लोकपति सिंह पटेल ने कहा कि** तथागत बुद्ध ने कहा था कि अपना दीपक स्वयं बनो। इसलिए हम सबका भला दूसरा कोई नहीं कर सकता है हमें खुद अपने हक अधिकार के लिए आगे आना होगा अपना नेतृत्व खुद करना होगा शोषितों का भला केवल शोषित नेतृत्व ही कर सकता है।**मुख्य वक्ता राम निहोर यादव जिलाध्यक्ष सपा ने कहा कि** बाबू जगदेव जी के आंदोलन का परिणाम है कि आज शोषक समाज के लोग देश प्रदेश की राजनीति की मुख्य धारा में अपनी भागीदारी के लिए जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तमिलनाडु के बाद बिहार राज्य में 60 फ़ीसदी से ऊपर का आरक्षण लागू हो पाया है लेकिन बहुत से भाजपा शासित राज्यों में पिछड़ों का आरक्षण अभी 14 प्रतिशत से ऊपर नहीं दिया जा सका और लागु किस हद तक हुआ है आप समझ सकते हैं इसलिए अपना मित्र और शत्रु की पहचान करनी पड़ेगी ।अंत में **कार्यक्रम आयोजक डॉ भागीरथी सिंह मौर्य, संयोजक आदित्य मौर्य एवं अध्यक्षता कर रहे सुमंत सिंह मौर्य** ने आए हुए सभी सम्मानित अतिथियों व उपस्थित जनों का स्वागत अभिनंदन व खैरमकदम करते हुए सभी का आभार प्रकट किये था मुख्य अतिथि द्वय, अति विशिष्ट अतिथि, वशिष्ठ अतिथि, मुख्य वक्ता गणों को तलवार, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए कहा कि आज हम सब जिस महापुरुष के शहादत दिवस पर इकट्ठा हुए हैं यहां से एक संकल्प लेकर हम सभी को जाना है कि हम महापुरुषों के संघर्षों के पथ पर आगे बढ़ेंगे और उनके सपनों को संघर्षों के दम पर मंजिल तक पहुंचने का भर्षक प्रयास करेंगे। शहादत दिवस कार्यक्रम को एड0,विकाश शाक्य, सुनील सिंह गौण, किशोरी सिंह, शिवपूजन सिंह, लालबहादुर पाल, त्रिपुरारी गौण, शहनवाज खान, रमेश पासवान, रेनू कुशवाहा, शिवकुमार वर्मा, एड0 रामचंद्र सिंह, अवनीश सिंह कुशवाहा, पिंटूलाल कुशवाहा, राजकुमार कुशवाहा, संतोष पटेल,रामभरोसे सिंह, कृपाशंकर चौहान, बिमलेश मौर्य, शिवानंद मौर्य, लल्लू भारती ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोग मौजूद रहे। उक्त कार्यक्रम का संचालन रवि रंजन शाक्य ने किया।

## पीडब्लूडी विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन, जर्जर सड़क पर चलना दूभर सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र, शक्तिनगर । जर्जर व बड़े बड़े गड्ढों से लोगो को सड़क पर चलना दूभर हो गया हैं। सड़क सोनभद्र को सम्बोधित ज्ञापन चौकी प्रभारी को सौंपा। ज्ञापन

हाइवे पर गड्ढा युक्त सड़क की दुर्दशा को लेकर ऊर्जांचल ट्रक ऑनर्स एसोसियेशन के बैनर तले लोगो ने रविवार को सड़क जाम कर बीना पुलिस को ज्ञापन सौंप कारवाई की मांग की हैं। लोगों ने हाथों मे तख्तीयां, बैनर लेकर पीडब्लूडी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी के साथ विरोध जताया। बताया की जर्जर सड़क क्षतिग्रस्त से हजारों वाहन क्षतिग्रस्त भी लगातार हो रहे हैं। बताया की ऑडी - शक्तिनगर राजमार्ग (एसएच-5ए) की मरम्मत व सड़क की पटरियों की सफाई कराये जाने, ओवरलोड राख का अभिवहन बन्द किये जाने का खड़िया ( मर्रक) पेट्रोल पंप से ओवर ब्रिज खड़िया तक पैदल चल प्रदर्शन किया तथा जिलाधिकारी सौपने मे उपेन्द्र पाण्डेय, चंद्र देव गुप्ता, कार्तिक पाण्डेय के साथ ट्रक आनर्स एसोसियेशन के पप्पु सिंह, ओम प्रकाश द्विवेदी, सुशील तिवारी, सतीश सिंह, सत्यम सिंह बिट्टू, चंदन भारती प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश भारती, भगवती यादव, पिन्टु सोनी महताब आलम,एल. के मेहता, विक्रम सिंह, राजेश चौहान, अजय पटेल आदि मौजूद रहे।

## सीओ ने मिशन शक्ति गोष्ठी कर छात्राएं व महिलाओ किए जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मिशन शक्ति अभियान के तहत आज रॉबर्ट्सगंज साझा किए और सुझाव दिए कि कैसे अभियान और प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में

कोतवाली में शनिवार को जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय अधिकारी, पुलिस कर्मी, नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में छात्राएं और महिलाएं शामिल हुईं। क्षेत्राधिकार रणधीर मिश्रा ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं और युवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस और प्रशासन मिलकर जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण और कानूनी परामर्श मुहैया कराएंगे। गोष्ठी में छात्राओं और महिलाओं ने अपने अनुभव उपस्थित अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सभी से अपील की कि वे महिलाओं और युवाओं की सुरक्षा में सहयोग करें। मिशन शक्ति टीम ने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज में महिलाओं और युवाओं की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता बनी रहे। इस मौके पर थाना प्रभारी माधव सिंह, महिला थाना निरीक्षक सविता सरोज, एस आई दीनानाथ, आशुतोष ,उमाशंकर ,कौशल शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# कोयला धूल उड़ने से बीना में सड़क मार्ग पर चलने वाले राहगीर प्रदूषण की मार झेल रहे हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। परियोजना के अधिकारी कागजों में कार्य करते है पूर्ण करते है , परेशान हो रही हैं स्थानीय जनता जो सड़कों पर नहीं उतर रही हैं.क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सोनभद्र भी मूकदर्शक बन कर जन समस्याओं से कराने में विफल हैं.सोनभद्र थाना शक्तिनगर बीना में कोयला खदान से निकलने वाले गाड़ियों से टायर के चक्के में कोयला मिट्टी से सराबोर होने से वही सड़क मार्ग पर आते ही धूल में परिवर्तित हो जाता है । अनपरा से शक्तिनगर के बीच स्थित 18 किमी सड़क पर हवा में धूल ही धूल मिली है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार यहां प्रति किमी हवा में सौ किलोग्राम और कुछ जगहों पर इससे भी अधिक मात्रा में 75 माइक्रोग्राम से भी छोटे कण पाए गए हैं। महज 18 किमी सड़क पर 1800 किग्रा धूलकण मिलने से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी सकते में हैं। इस पर प्रभावी कदम उठाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पीडब्ल्यूडी को नोटिस जारी किया है वहीं

एनसीएल बीना परियोजना बस स्टैंड से बीना कार्यालय तक सबसे ज्यादा प्रदूषण फैला है कागजों पर हो रहे है कार्य कभी कभी पांच से छह श्रमिक झाड़ू लगाते हुए जरूर दिखते है वह भी सीएचपी खदान मोड से बीना परियोजना कार्यालय तक धूल उड़ने से कपड़े के अतिरिक्त चेहरा ऐसा लगने लगता हैं कि सड़क मार्ग पर चलने वाले राहगीरों को जैसे कोयला खदान क्षेत्र में से आ रहे है। सूत्रों से पता चला है कि करोड़ों का टेंडर है शनि मंदिर से बांसी तक साफ सफ़ाई तक लेकिन सिविल अधिकारियों के द्वारा निजी लाभ के कारण अनदेखी कर दिया जा रहा हैं।ट्रीटमेंट प्लांट के निष्प्रयोज्य पानी का परियोजना क्षेत्र से गुजरने वाली सड़क पर छिड़काव कराने का निर्देश दिया गया है।शक्तिनगर से अनपरा तक में प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। इसमें सबसे खराब स्थिति अनपरा से शक्तिनगर के बीच स्थित 18 किमी राजमार्ग की है। इस पर रोजाना डेढ़ हजार से अधिक कोयला लदे ट्रकों के आवागमन और सड़क की खराब स्थिति के चलते अनपरा से शक्तिनगर तक धूल ही धूल है। हालत यह है कि आसमान में स्माग जैसी स्थिति बन जाती है। इससे सड़क पर पैदल, बाइक, साइकिल से चलने वालों की फजीहत तो होती ही है, सड़क के आस-पास रहने वालों को प्रदूषण की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एनजीटी के दबाव पर सड़क की स्थिति सुधारने के लिए नई सड़क बनाई जा रही है। सड़क चौड़ी की जा रही है लेकिन कार्य की धीमी गति और जहां-तहां खुदाई और वाहनों के चलने से धूल उड़ती है। एक माह पूर्व से राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण की निगरानी शुरू करा दी है। निगरानी में यह पाया गया है कि अनपरा-शक्तिनगर के बीच की सड़क पर प्रति किमी सौ किग्रा और कहीं कहीं इससे भी अधिक धूल हवा में है। स्थिति को देखते हुए निगरानी की जो समय सीमा दिसंबर तक तय की गई थी, अब उसे फरवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है। हालात जल्द नियंत्रण में हो, इसके लिए जहां नोटिस जारी कर पानी का छिड़काव शुरू करा दिया गया है।अनपरा-शक्तिनगर के बीच स्थित सड़क पर प्रति किमी सौ किलो धूल की स्थिति चिंताजनक है। इसको नियंत्रित करने के लिए पीडब्ल्यूडी को नोटिस जारी कर दिन में तीन बार पानी छिड़काव का शेड्यूल तय किया गया। एनसीएल को ट्रीटमेंट प्लांटों के निष्प्रयोज्य पानी का सड़क पर छिड़काव करने के निर्देश दिया गया। ट्रकों, ट्रेलरों से हो रहे कोयला परिवहन सुरक्षित तरीके से करने का भी निर्देश दिया गया है। प्रदूषण नियंत्रण के मानकों से खिलवाड़ नहीं होने देंगे आर के सिंह क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सोनभद्र।

# रऊफ से बहस पर अभिषेक बोले-मैंने बल्ले से जवाब दिया,सूर्या ने कहा- कोई टीम 10-12 मैच जीते और दूसरी 1-2 तो यह राइवलरी नहीं

दुबई। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच हो और इमोशन सातवें आसमान पर न पहुंचे ऐसा कम ही होता है। रविवार को इनके बीच दुबई में खेला गया एशिया कप का मैच भी कोई अपवाद नहीं था। पिछले मुकाबले में एकतरफा अंदाज में हारी पाकिस्तानी टीम इस बार ज्यादा अग्रेसिव बनने की कोशिश में थी। हालांकि, यह दांव उल्टा पड़ा और भारत ने एक बार फिर 6 विकेट से आसान जीत हासिल की।वहीं, मैच के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच राइवलरी पर बात की। उन्होंने कहा, अब कहां की राइवलरी, सूर्या ने कहा- कोई टीम 10-12 मैच जीते और दूसरी 1-2 तो इसे राइवलरी नहीं कह सकते। पाकिस्तानियों ने की थी गिल और अभिषेक को उकसाने की कोशिश भारतीय पारी शुरू होते ही पाकिस्तानी फील्डर्स ने स्लेजिंग शुरू कर दी। वे भारतीय ओपनर्स अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पर लगातार फब्तियां कस रहे थे। अभिषेक और गिल दोनों पंजाब से आते हैं और पाकिस्तान की टीम में भी पंजाब के बहुत सारे खिलाड़ी थे। लिहाजा वे अभिषेक और गिल को पंजाबी में गालियां भी दे रहे थे। मैच के बाद अभिषेक शर्मा से इस बारे में सवाल भी पूछा गया। उन्होंने कहा- पाकिस्तान के प्लेयर्स बेवजह मुझसे बहस कर रहे थे, जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। उनकी बातों का जवाब मैंने अपने बल्ले से दिया। उनके खराब व्यवहार ने मुझे अच्छा खेलने के लिए इन्सपायर किया। अभिषेक ने 39 गेंद पर 74 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। अभिषेक शर्मा की पूरी बात- 'आज जिस तरह से पाकिस्तान के खिलाड़ी बेवजह हमसे बहस कर रहे थे, मुझे वह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसीलिए मैंने खुलकर शॉट्स खेले। मैं बस अपनी टीम

को जीत दिलाना चाहता था। मैं और शुभमन स्कूल के दिनों से एक-साथ खेल रहे हैं। हमें साथ बैटिंग करना पसंद है। आज हमारा दिन था। जिस तरह गिल पाकिस्तानियों की बातों का जवाब बैट से दे रहा था, मुझे बहुत पसंद आया। टीम मैनेजमेंट का सपोर्ट हमेशा रहता है, इसीलिए मैं इतना खुलकर खेल पाता हूं। अगर मेरा दिन रहता है तो मैं टीम को जीत दिलाकर ही मानता हूं।' भारतीय पारी के दौरान अभिषेक शर्मा और पाकिस्तान के तेजगेंदबाज हारिस रऊफ में बहस हो गई थी। दोनों मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ गुस्से में बात करते नजर आए। इसके बाद फील्ड अंपायर ने बीच में आकर दोनों को अलग किया और मामला संभाला। हारिस से पहले शाहीन शाह अफरीदी भी अभिषेक शर्मा से बहस करते नजर आए थे। सूर्या बोले- पाकिस्तान से कोई राइवलरी नहीं पाकिस्तान की टीम और उसके खिलाड़ियों को भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद अलग अंदाज में जवाब दिया। सूर्या से भारत-पाकिस्तान राइवलरी के बारे में पूछा गया। इस पर भारतीय कप्तान बोले- कहां की राइवलरी। अगर दो टीम 14-15 खेलती है और दोनों 7-7 में जीते तो कह सकते हैं कि राइवलरी है। या फिर अगर एक टीम 8 जीते और दूसरी 7 तो भी कह सकते हैं कि राइवली है। लेकिन, अगर एक टीम ने 10-12 मैच जीते हों और दूसरी ने एक या दो तो इसे राइवलरी नहीं कह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच यह अब तक का 15वां टी-20 इंटरनेशनल मैच था। इसमें भारत ने 12 और पाकिस्तान ने सिर्फ 3 मैच में जीत हासिल की है। गिल और अभिषेक वैसे ही जैसे आइस और फायर भारतीय कप्तान ने भारत की ओपनिंग जोड़ी के बारे में कहा, 'अभिषेक-गिल ने कमाल का प्रदर्शन किया। वे एक-दूजे को अच्छा सपोर्ट करते हैं। यह फायर और आइस जैसा कॉम्बिनेशन है।'कप्तान ने आगे कहा, 'जिस तरह से टीम परफॉर्म कर रही है, उससे मेरा काम आसान हो जाता है। टीम ने शानदार जज्बा दिखाया। हमारी गेंदबाजी की शुरुआती 10 ओवर में सब शांत थे। फिर मैंने ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान उनसे कहा- 'असली खेल तो अब खेल शुरू हुआ है।' बुमराह के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर सूर्या ने कहा- वह (बुमराह) कोई रोबोट नहीं है, उनका भी कभी न कभी बुरा दिन आ सकता है, यह सामान्य चीज है। दुबे ने हमें मुश्किल हालात में बाहर निकाला। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने हल्के-फुल्के अंदाज में फील्डिंग की गलतियों पर कहा,'फील्डिंग कोच ने उन लड़कों को ईमेल भेज दिया है, जिनके हाथों में बटर लगा था। उन्हें ऑफिस में बुलाया गया है। लेकिन ये खेल का हिस्सा है। मैं ठीक हूं क्योंकि ये पहले मैच में हुआ और हमारे पास अभी कई अहम मुकाबले बाकी हैं। ' पाकिस्तानी कप्तान बोले- हमने अपना बेस्ट गेम नहीं खेला पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा, 'हमने अब तक अपना बेस्ट गेम नहीं खेला है, लेकिन हम धीरे-धीरे वहां तक पहुंच रहे हैं। मैच अच्छा रहा, लेकिन पावरप्ले में उन्होंने पकड़ मजबूत कर ली। बैटिंग में 10 ओवर के बाद जिस सिचुएशन में हम थे, स्कोर 10-15 रन और होना चाहिए था। 170-180 एक अच्छा स्कोर है, लेकिन पावरप्ले में उन्होंने ज्यादा अच्छी बैटिंग कर ली। अगर आप गेंदबाजों की ओर देखें तो हर कोई रन दे रहा है। आपको उसी में बदलाव करना होता है। टी-20 क्रिकेट इसी तरह काम करता है। फखर और फरहान ने जिस तरह बैटिंग की, आगे के मैचों में यह हमारे काम आएगा। हारिस ने अच्छी बॉलिंग की। हमारा फोकस अब श्रीलंका से मैच पर है।' भारत की पाकिस्तान पर शानदार जीत के बाद कोच गंभीर ने लिखा- नन्हा, नन्हा, नन्हा' जीत के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक शब्द में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं: 'नन्हा'। गंभीर ने इंस्टाग्राम पर अभिषेक, शुभमन और भारतीय टीम की तस्वीरें साझा करते हुए हर पोस्ट को 'नन्हा' शब्द के साथ कैप्शन दिया। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी बधाई देते हुए एक्स पर लिखा,'भारत को एशिया कप में पाकिस्तान पर एक और जीत के लिए बधाई। शानदार प्रदर्शन, अभिषेक और शुभमन! ' पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने चुटकी लेते हुए एक्स पर लिखा, 'हां जी, कैसा रहा रविवार? ' वहीं, पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा,'शानदार प्रदर्शन, भारत ने दिखाया दबदबा।'कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कहा, 'पाकिस्तान ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन भारत की काबिलियत उन पर भारी पड़ी।' अभिषेक और गिल के मेंटर युवराज सिंह ने लिखा, 'इरादे, समय और संयम से भरी सलामी साझेदारी ने जीत की नींव रखी। शाबाश, लड़कों! 'चार मैचों में अजेय रहने के बाद भारत अब बुधवार को दुबई में बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि पाकिस्तान मंगलवार को अबू धाबी में श्रीलंका के खिलाफ जीत की तलाश में उतरेगा।

# भारत की पाकिस्तान पर लगातार सातवीं जीतःअभिषेक और गिल ने 59 गेंदों पर 105 रन जोड़े, सात गेंद बाकी रहते जीता मैच

दुबई। भारतीय फील्डर्स ने 20 ओवर में 5 कैच टपका दिए। भारत के प्रीमियम फास्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 45 रन दे दिए। भारत के

स्पिनर्स का जादू भी नहीं चला। कुलदीप, वरुण और अक्षर ने मिलकर सिर्फ 1 विकेट लिया। एशिया कप सुपर-4 राउंड में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की पारी में पाकिस्तान के लिए जो कुछ भी सही हो सकता था हुआ। इसके बावजूद नतीजा क्या रहा। भारत ने 6 विकेट से आसान जीत हासिल की। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया की पाकिस्तान के ऊपर लगातार सातवीं जीत है। बॉलिंग और फील्डिंग में कुछ हद तक कमजोर प्रदर्शन के बावजूद भारत ने शानदार जीत की पटकथा कैसे लिख डाली, आगे जानते हैं....भारत ने टॉस जीता, सूर्या ने फिर सलमान से हाथ नहीं मिलाया दुबई की पिच पर टारगेट चेज करना फायदेमंद रहता है। इस मैच से पहले पिछले 5 साल में यहां टॉप-12 टीमों के बीच 19 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए थे। इसमें 17 में टारगेट चेज करी टीम जीती थी। इस बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीता और टारगेट चेज करने का ही फैसला किया। सूर्या ने टॉस के बाद एक बार फिर पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। पाकिस्तान के साथ ग्रुप स्टेज मुकाबले में भी उन्होंने यही किया था। इससे नाराज पाकिस्तानी टीम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने पर अड़ गई थी। आईसीसी ने न सिर्फ उनकी डिमांड खारिज की बल्कि इस मैच के लिए भी एंडी पाइक्रॉफ्ट को ही मैच रेफरी बनाया गया।पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में भी पहले बल्लेबाजी की थी। तब पाकिस्तानी टीम पावरप्ले

के पहले 6 ओवर में 2 विकेट खोकर सिर्फ 42 रन बना पाई थी। इस बार पाकिस्तान ने बेहतर प्रदर्शन किया और 6 ओवर में 1 विकेट खोकर 55 रन बनाए। सईम अयूब की जगह ओपनिंग करने आए फखर जमान 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दूसरे ओपनर साहिबजादा फरहान ने नंबर 3 पर खेलने आए सईम के साथ 72 रन की पार्टनरशिप कर डाली। मिडिल ओवर में थीमी पड़ी पाकिस्तान की पारी पावरप्ले में अच्छी शुरुआत के बाद पाकिस्तान की पारी मिडिल ओवर्स में धीमी पड़ गई। पहले 6 ओवर में करीब 9 की रन रेट से बैटिंग करने वाली टीम अगले 10 ओवर में सिर्फ 64 रन बना सकी। तीन विकेट भी गंवाए। 16 ओवर की समाप्ति तक पाकिस्तान का स्कोर 119/4 था। फहीम की बैटिंग ने दिया संघर्ष करने लायक स्कोर पाकिस्तान ने डेथ ओवर्स यानी आखिरी 24 गेंदों पर 52 रन बनाए और टीम 20 ओवर में 171 रन तक पहुंचने में कामयाब रही। इसमें फहीम अशरफ का योगदान अहम रहा। फहीम ने सिर्फ 8 गेंदों पर 20 रन बनाए। कप्तान सलमान अली आगा ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए।इस मैच में भारत के प्रमुख गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बिल्कुल लय में नहीं दिखे। उन्होंने अपने 4 ओवर में 45 रन खर्च कर दिए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। वरुण ने 4 ओवर में रन तो 25 ही दिए लेकिन विकेट का खाता वे भी नहीं खोल पाए। कुलदीप ने 1 विकेट जरूर लिया लेकिन उन्होंने 31 रन खर्च कर दिए। अभिषेक और गिल के आगे बेबस पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट्स इस पिच पर 171 रन के स्कोर को चुनौतीपूर्ण बता रहे थे। लेकिन, भारतीय ओपनर्स अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने जिस आक्रामक तेवर से बल्लेबाजी की उससे बहुत जल्द यह पता चल गया कि पाकिस्तान की एक और हार तय है। इन दोनों ने पावरप्ले में ही 69 रन बटोर लिए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 59 गेंदों पर 105 रन की पार्टनरशिप की। पिछले तीन मैचों में सिर्फ 35 रन बना पाए शुभमन गिल इस बार अलग अंदाज में दिखे। उन्होंने 167 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 47 रन बनाए।1 रन बनाने में 2 विकेट गिरे शुभमन गिल का विकेट फहीम अशरफ ने लिया। तब भारत का स्कोर 105 रन था। इसके बाद 1 रन ही और बना था कि कप्तान सूर्यकुमार यादव को हारिस रउफ ने चलता कर दिया। सूर्या खाता भी नहीं खोल सके। विकेट गिरने का अभिषेक पर कोई असर नहीं एक छोर से कम अंतराल में दो विकेट गिरने का अभिषेक शर्मा की बैटिंग पर कोई असर नहीं पड़ा। अभिषेक आखिरकार 39 गेंदों पर 74 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 189 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की और 6 चौके और 5 छक्के जमाए। तिलक वर्मा ने बनाए विनिंग रन अभिषेक के आउट होने के बाद तिलक वर्मा, संजू सैमसन और हार्दिक पंड्या ने मिलकर भारत को जीत दिलाई। नंबर-5 पर बल्लेबाजी के लिए आए संजू ने 17 गेंदों पर 13 रन बनाए। हार्दिक पंड्या 7 रन बनाकर तिलक वर्मा के साथ नाबाद रहे। भारत के लिए विनिंग रन तिलक ने बनाए। उन्होंने 19 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के की मदद से 30 रन बनाए। आखिर में देखिए पाकिस्तान और भारत की पारियों का ओवर दर ओवर कॉम्परिजन। भारतीय टीम हर ओवर के बाद पाकिस्तान से आगे रही।

# सूर्या ने फिर सलमान से हाथ नहीं मिलाया,साहिबजादा का गन शॉट सेलिब्रेशन, रऊफ ने दिखाया- ऑपरेशन सिंदूर में 6 प्लेन गिराए,मोमेंट्स-

दुबई। एशिया कप के सुपर-4 स्टेज में भी भारत ने पाकिस्तान पर दबदबा दिखाया और टीम को

6 विकेट के बड़े अंतर से हरा दिया। दुबई में रविवार को भारत से 5 और पाकिस्तान से 2 कैच छूटे। वहीं अभिषेक शर्मा और हारिस रऊफ के बीच बहस हो गई। अभिषेक ने पारी की पहली ही गेंद पर छक्का भी लगा दिया। सूर्यकुमार यादव ने सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। इंडिया बनाम पाकिस्तान मैच के मोमेंट्स- 1. सूर्या और सलमान ने फिर हाथ नहीं मिलाया भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक बार फिर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। दोनों कप्तानों ने ग्रुप स्टेज मैच के दौरान भी हाथ नहीं मिलाया था। जिसके बाद पाकिस्तानी टीम ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में आने से मना कर दिया था। 2. फखर के विकेट पर अंपायर ने रिव्यू लिया तीसरे ओवर में भारत को पहला विकेट मिला। हार्दिक पंड्या ने फखर जमान को कॉट बिहाइंड कराया, लेकिन उन्हें विकेट को चेक करने के लिए अंपायर को रिव्यू लेना पड़ गया। हार्दिक ने ओवर की तीसरी बॉल गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। फखर डिफेंड करने गए, लेकिन गेंद विकेटकीपर संजू सैमसन की ओर चली गई। उन्होंने लो-कैच पकड़ा। इस पर फील्ड अंपायर ने थर्ड अंपायर से पूछा कि कैच फेयर है या नहीं। टीवी अंपायर ने आउट का फैसला दिया, लेकिन फखर इससे नाखुश नजर आए। 3. साहिबजादा ने मिसाइल दागने का इशारा किया पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने 10वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने अक्षर पटेल के ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाया और 33 गेंद पर अर्धशतक पूरा कर लिया। फिफ्टी लगाने के बाद उन्होंने अपने बैट से मिसाइल दागने का इशारा कर सेलिब्रेशन किया। 4. अभिषेक का बेहतरीन डाइविंग कैच अभिषेक शर्मा ने 2 कैच छोड़ने के बाद 11वें ओवर में बेहतरीन डाइविंग कैच पकड़ा। 11वें ओवर की तीसरी बॉल शिवम दुबे ने लेग स्टंप की ओर शॉर्ट पिच फेंकी। सईम अयूब बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद लॉन्ग लेग की ओर खड़ी हो गई। अभिषेक दौड़ते हुए गेंद की तरह आए और डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ लिया। अयूब ने 17 गेंद पर 21 रन बनाए। 5. हाथ से बैट छूटने के बाद कैच हुए पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा 15वें ओवर में पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान के हाथ से बैट छूट गया, लेकिन इसी गेंद पर वे मिड-ऑफ पर कैच हो गए। ओवर की पहली गेंद शिवम दुबे ने ऑफ स्टंप के बाहर स्लोअर फेंकी। फरहान लेग साइड की ओर शॉट खेलने गए, लेकिन बैट उनके हाथ से छूटकर लेग अंपायर की ओर चले गया। गेंद मिड-ऑफ की ओर हवा में खड़ी हो गई। सूर्यकुमार यादव कवर्स पोजिशन से गेंद के नीचे आए और कैच पकड़ लिया। फरहान ने 45 गेंद पर 58 रन बनाए। 6. नवाज की नजर हटी, रन आउट हुए 19वें ओवर में मोहम्मद नवाज गेंद पर नजर नहीं रख पाने के कारण रन आउट हो गए। ओवर की तीसरी गेंद जसप्रीत बुमराह ने लो फुल टॉस फेंकी। सलमान अली आगा ने कवर्स की ओर शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़े। सलमान ने रन पूरा कर लिया, लेकिन नवाज ने गेंद से नजर हटा ली और क्रीज में धीरे-धीरे जाने लगे। फील्डर सूर्यकुमार यादव ने गेंद उठाई और स्टंप्स की ओर थ्रो कर दिया। गेंद स्टंप्स से लग गई, इस दौरान नवाज क्रीज से बाहर ही घूम रहे थे। उन्हें 21 रन बनाकर पवेलियन लौटना पड़ा। 7. फहीम ने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाया 19वें ओवर में नवाज के विकेट के बाद फहीम अशरफ बैटिंग करने आए। उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। फहीम ने फिर 20वें ओवर में हार्दिक पंड्या के खिलाफ पारी की आखिरी गेंद पर भी डीप बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में छक्का लगाया। फहीम ने 8 गेंद पर 20 रन बनाए। 8. भारत ने 5 कैच छोड़े भारतीय प्लेयर्स की फील्डिंग पाकिस्तान के खिलाफ बेहद साधारण रही। टीम ने 5 कैच छोड़े। अभिषेक शर्मा ने 2 प्लेयर्स को जीवनदान दिए। वहीं कुलदीप यादव, शुभमन गिल और शिवम दुबे ने 1-1 कैच छोड़ा। पहले ओवर की तीसरी गेंद हार्दिक ने गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। साहिबजादा फरहान ने शॉट खेला, लेकिन गेंद थर्ड मैन की ओर खड़ी हो गई। अभिषेक शर्मा यहां कैच नहीं पकड़ सके। फरहान इस वक्त खाता भी नहीं खोल सके थे। अभिषेक शर्मा ने पहले ओवर में साहिबजादा फरहान का कैच छोड़ दिया। 5वें ओवर की चौथी गेंद वरुण चक्रवर्ती ने गुड लेंथ पर गुगली फेंकी। सईम अयूब बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद शॉर्ट फाइन लेग की ओर हवा में खड़ी हो गई। कुलदीप यादव बॉल के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। अयूब 4 रन के स्कोर पर थे। कुलदीप यादव ने शॉर्ट फाइन लेग पोजिशन पर आसान सा कैच छोड़ दिया। 8वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने फिर एक बार फरहान का कैच ही छोड़ा। वरुण ने ओवर की तीसरी गेंद गुगली फेंकी। फरहान बड़ा शॉट खेलने गए, गेंद लॉन्ग ऑन की ओर चली गई। अभिषेक ने एक हाथ से कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से लगकर बाउंड्री के बाहर चली गई। फरहान इस वक्त 36 रन के स्कोर पर थे। अभिषेक शर्मा ने एक हाथ से कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन नाकामयाब रहे। 19वें ओवर की पांचवीं बॉल जसप्रीत बुमराह ने शॉर्ट पिच फेंकी। फहीम अशरफ बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद स्क्वेयर लेग की ओर खड़ी हो गई। शुभमन गिल ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई। फहीम इस वक्त 6 रन के स्कोर पर थे। 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर शिवम दुबे से भी कैच छूट गया। फहीम अशरफ ने डीप बैकवर्ड पॉइंट की ओर शॉट खेला। दुबे कैच लेने की कोशिश में ज्यादा आगे आ गए, गेंद उनके ऊपर से बाउंड्री के बाहर चली गई। 9. अभिषेक ने पहली गेंद पर छक्का लगाया भारत से अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ओपनिंग करने उतरे। अभिषेक ने शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ पहली ही गेंद पर फाइन लेग की दिशा में छक्का लगा दिया। शाहीन ने शॉर्ट पिच गेंद फेंकी थी, अभिषेक ने पुल शॉट खेलकर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचा दिया। 10. पाकिस्तान ने 2 कैच छोड़े पाकिस्तान के प्लेयर्स ने 2 कैच छोड़े। तीसरे ओवर में शाहीन अफरीदी ने शॉर्ट पिच गेंद फेंकी। अभिषेक शर्मा पुल करने गए, लेकिन गेंद शॉर्ट मिड-विकेट की ओर चली गई। मोहम्मद नवाज पीछे की ओर दौड़ते हुए गए,

उन्होंने एक हाथ से कैच लेने की कोशिश की, लेकिन कैच छूट गया। अभिषेक इस वक्त 9 रन पर थे, उन्होंने 74 रन बना दिए। 7वें ओवर में साहिबजादा फरहान ने भी अभिषेक का ही कैच छोड़ा। ओवर की पांचवीं बॉल अबरार अहमद ने शॉर्ट पिच फेंकी। अभिषेक ने मिड विकेट की ओर शॉट खेला, फरहान ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूटकर बाउंड्री के बाहर चली गई। अभिषेक इस वक्त 40 रन पर थे। 11. फिफ्टी लगाकर अभिषेक ने फ्लाइंग किस दी अभिषेक शर्मा ने 8वें ओवर में सईम अयूब के खिलाफ चौका लगाया और 24 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। पाकिस्तान के खिलाफ पहला अर्धशतक लगाने के बाद अभिषेक ने दर्शकों की ओर फ्लाइंग किस देकर सेलिब्रेशन किया। 12. एशिया कप 2025 की सबसे बड़ी पार्टनरशिप भारत के अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने 105 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। यह 2025 के एशिया कप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। दोनों से पहले बांग्लादेश के लिटन दास और तौहिद हृदॉय ने तीसरे विकेट के लिए 95 रन जोड़े थे। टी-20 एशिया कप में 5वीं बार ही 100 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई। 13. रऊफ ने सूर्या को तीसरी बार आउट किया पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव को थर्ड मैन पोजिशन पर कैच कराया। सूर्या फाइन लेग की ओर छक्का लगाना चाहते थे, लेकिन हारिस ने ऑफ स्टंप की ओर गेंद फेंक दी। बॉल थर्ड मैन की ओर हवा में खड़ी हो गई, अबरार अहमद ने आसान सा कैच पकड़ लिया। रऊफ ने टी-20 क्रिकेट की 3 पारियों में सूर्या को हर बार पवेलियन भेजा है। 14. भारत ने पाकिस्तान को लगातार 7वां मैच हराया भारत ने पाकिस्तान को इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार 7वां मैच हराया। टीम इंडिया को आखिरी हार 2022 के टी-20 एशिया कप में ही मिली थी। इस मुकाबले के बाद भारत ने टी-20 में 4 और वनडे में 3 बार पाकिस्तान को हरा दिया। इस दौरान दोनों के बीच एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा था। 15. रऊफ की बहस का जवाब अभिषेक ने बैट से दिया दूसरी पारी के दौरान भारत के अभिषेक शर्मा और पाकिस्तान के गेंदबाज हारिस रऊफ में बहस हो गई। दोनों मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ गुस्से में बात करते नजर आए। जिसके बाद फील्ड अंपायर ने बीच में आकर दोनों को अलग किया और मामला संभाला। हारिस से पहले शाहीन भी अभिषेक से बहस करते नजर आए थे। अभिषेक ने मैच के बाद कहा, 'पाकिस्तान के प्लेयर्स बेवजह मुझसे बहस कर रहे थे, जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। उनकी बातों का जवाब मैंने अपने बल्ले से दिया।' अभिषेक ने 39 गेंद पर 5 छक्के और 6 चौके लगाकर 74 रन बना दिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। 16. रऊफ का विवादास्पद इशारा मैच के दौरान दूसरी पारी में जब रऊफ बाउंड्री लाइन के पास खड़े थे, भारतीय फैंस ने उन्हें 'विराट कोहली' के नारों के साथ चिढ़ाया। जवाब में, रऊफ ने अपनी उंगलियों से 6-0 का इशारा किया। यह इशारा मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर चार दिन के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के दावे की ओर इशारा करता है, जिसमें उन्होंने छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा किया था, जो आधारहीन माना जाता है। रऊफ का यह इशारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भारतीय फैंस ने उनकी इस हरकत की जमकर आलोचना की और उन्हें ट्रोल किया।

# क्या आप बार-बार बीमार पड़ते हैं?:हो सकते हैं ये 10 कारण, लाइफस्टाइल में करें ये 9 बदलाव, बीमारियों से रहें दूर

नयी दिल्ली। हमने अपने आसपास ऐसे कई लोगों को देखा होगा, जो जरा सा मौसम बदलते ही बीमार पड़ जाते हैं। कभी सर्दी-खांसी तो कभी बुखार जैसी बीमारियां उनका पीछा ही नहीं छोड़ती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? दरअसल बार-बार बीमार पड़ने का सीधा संबंध हमारी खराब लाइफस्टाइल और कमजोर इम्यून सिस्टम से है। इसमें लंबे समय तक स्ट्रेस, क्रॉनिक डिजीज, मोटापा, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग और आसपास का पर्यावरण समेत कई रिस्क फैक्टर भी शामिल हैं।तो चलिए, आज हम बार-बार बीमार होने के पीछे के मुख्य कारणों के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-क्या बार-बार बीमार होना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है? इससे बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? बार-बार बीमार होने के मुख्य कारण-इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। इनमें जेनेटिक्स, ज्यादा तनाव, कमजोर इम्यून सिस्टम, क्रॉनिक हेल्थ प्रॉब्लम्स, मोटापा, शराब का सेवन, आसपास का पर्यावरण समेत कई अन्य कारक शामिल हैं। अगर समय रहते इन कारणों की पहचान और इलाज न किया जाए तो ये आगे चलकर गंभीर बीमारियों का रूप ले सकते हैं। स्ट्रेस और एंजाइटी-लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने पर शरीर में कोर्टिसोल हॉर्मोन का लेवल बढ़ जाता है। इसके कारण शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ता है और इम्यून सेल्स कमजोर हो जाते हैं, जिससे वायरस और बैक्टीरिया आसानी से शरीर

पर हावी हो जाते हैं। मोटापा- शरीर में चर्बी जमा होने पर साइटोकाइन प्रोटीन का लेवल बढ़ जाता है। यह प्रोटीन इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है और शरीर को एक तरह के क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की स्थिति में डाल देता है। इससे संक्रमण, हार्ट डिजीज व हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्मोकिंग और ड्रिंकिंग-सिगरेट का धुआं फेफड़ों और ब्लड सेल्स को नुकसान पहुंचाता है। वहीं अल्कोहल शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे शरीर बार-बार संक्रमण की चपेट में आ जाता है और रिकवरी की क्षमता भी धीमी हो जाती है। प्रदूषित पर्यावरण-हवा में मौजूद प्रदूषण, धूल व जहरीले केमिकल्स फेफड़ों और इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देते हैं। लगातार प्रदूषण के संपर्क में रहने से रेस्पिरेटरी सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे एलर्जी, अस्थमा और अन्य संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। नींद की कमी-नींद के दौरान शरीर हीलिंग की प्रक्रिया से गुजरता है। पर्याप्त नींद न लेने पर यह प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है, जिससे इम्यूनिटी कमजोर होती है और बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। क्रॉनिक हेल्थ प्रॉब्लम्स -डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, हार्ट डिजीज और एलर्जी जैसी बीमारियां शरीर के इम्यून सिस्टम पर सीधा असर डालती हैं। इससे शरीर आम इन्फेक्शन से भी मजबूती से नहीं लड़ पाता है। खराब खानपान-जरूरी पोषक तत्वों जैसे विटामिन सी, विटामिन डी, जिंक, आयरन और प्रोटीन की कमी होने पर इम्यून सेल्स कमजोर हो जाते हैं। बार-बार फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड खाने से शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ता है और एंटीबॉडीज बनने की क्षमता घट जाती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। पर्सनल हाइजीन की कमी-हाथ न धोना, गंदा खाना खाना और सफाई की अनदेखी करना बैक्टीरिया और वायरस को आसानी से शरीर में प्रवेश करने का मौका देता है। इससे पेट से जुड़ी समस्याएं, फ्लू और फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियां बार-बार होने लगती हैं और शरीर संक्रमण की चपेट में जल्दी आ जाता है। बढ़ती उम्र-उम्र बढ़ने के साथ, खासकर 60 साल के बाद, शरीर की इम्यून सेल्स की कार्यक्षमता धीरे-धीरे घटने लगती है। इस प्रक्रिया को इम्यूनोसिनेसेंस कहा जाता है, जिसके कारण बुजुर्गों में संक्रमण तेजी से फैलते हैं और किसी भी बीमारी से ठीक होने में ज्यादा समय लगता है। जेनेटिक्स-कई बार व्यक्ति की बार-बार बीमार पड़ने का मुख्य कारण परिवार से मिले जीन भी होते हैं। जेनेटिक फैक्टर्स इम्यून सिस्टम की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।डॉ. रोहित शर्मा बताते हैं कि कुल मिलाकर कमजोर इम्यूनिटी ही बीमारियों की सबसे मुख्य वजह है। लेकिन इसे मजबूत बनाना एक दिन का काम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें सही खानपान, हेल्दी लाइफस्टाइल और मानसिक संतुलन की अहम भूमिका होती है। नीचे ग्राफिक में दिए कुछ आसान तरीकों को फॉलो करके इम्यूनिटी को मजबूत बनाया जा सकता है।

## उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो

वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

## जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से

उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

## गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त

वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं।

## मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में

सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

## जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा

लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।

' क्या आप भौहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे।

आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है।

फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है?

कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने के लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी।

यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें।

पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी।

पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है।

लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी।

लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

## भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था।

## सैटेलाइट्स की सुरक्षा के लिए भारत बॉडीगार्ड सैटेलाइट बनाएगा,अंतरिक्ष में संदिग्ध गतिविधि भी पता चलेगी,एक देश का उपग्रह 1किमी पास से गुजरा था

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष में बढ़ते खतरे और दुश्मन देशों की सैटेलाइट गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार अपने उपग्रहों की सुरक्षा मजबूत करने की योजना

बना रही है। मोदी सरकार अब ऐसे खास 'बॉडीगार्ड सैटेलाइट' बनाने की तैयारी कर रही है, जो अंतरिक्ष में भारतीय सैटेलाइट की सुरक्षा करेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत जवाब देंगे। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, इस तैयारी को तेजी तब मिली जब 2024 के बीच एक पड़ोसी देश का सैटेलाइट इसरो के सैटेलाइट के सिर्फ 1 किलोमीटर पास से गुजरा था। रिपोर्ट के मुताबिक, 'यह सैटेलाइट 500-600 किलोमीटर की ऊंचाई पर था और मैपिंग और जमीन की निगरानी जैसे सैन्य काम कर रहा था। हालांकि, दोनों सैटेलाइट्स टक्कर तो नहीं हुई, लेकिन यह घटना जानकारों के अनुसार दूसरे देश की ताकत दिखाने की कोशिश हो सकती है।' सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर LiDAR सैटेलाइट और ग्राउंड-बेस्ड रडार जैसे सिस्टम पर काम कर रही है, जिससे खतरों को समय रहते पहचान कर सैटेलाइट को सुरक्षित पोजिशन पर भेजा जा सके। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने जून में सर्विलांस एंड इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इंडिया सेमिनार चेतावनी दी थी कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तेजी से अंतरिक्ष क्षमता बढ़ा रही है और यह भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। सरकार ने तय किया है कि 2029 (अगले 4 साल में) तक 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, ये सभी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भारत की आंख बनेंगे और पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर लगातार नजर रखेंगे। सैटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड होंगे। 36 हजार किमी. ऊंचाई पर ये आपस में कम्युनिकेट कर सकेंगे। इससे पृथ्वी तक सिग्नल भेजने, मैसेज-तस्वीरें भेजने में आसानी होगी। यह पूरा अभियान रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के तहत चलाया जा रहा है और इसके लिए सरकार ने स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फेज-3' योजना बनाई है। इसके लिए रु26,968 करोड़ का बजट है। इसे अक्टूबर 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने मंजूरी दी थी। 7 से 10 मई 2025 के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ भारी सैन्य कार्रवाई की थी। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान देशी सैटेलाइट्स और कुछ विदेशी कॉमर्शियल डेटा का इस्तेमाल किया गया, लेकिन रियल टाइम ट्रैकिंग में कई खामियां उजागर हुईं।ईटी को एक अधिकारी ने बताया, 'हमें अपने फैसलों की गति तेज करनी होगी। जितना जल्दी हम 52 सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में स्थापित करेंगे, हमारी सुरक्षा उतनी ही मजबूत होगी।'

## सुप्रीम कोर्ट में आज दिल्ली में पटाखा बैन पर सुनवाई-कोर्ट ने कहा था-दिल्ली-एनसीआर ही क्यों पूरे देश को साफ हवा का हक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आज दिल्ली में पटाखों को बैन करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिका पर पिछली सुनवाई 12 सितंबर को हुई थी। इस दौरान चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा था कि अगर दिल्ली-एनसीआर के शहरों को साफ हवा का हक है तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं? प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सीजेआई गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा था कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो पूरे देश में बैन करना चाहिए। उन्होंने कहा- 'साफ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए।' कोर्ट ने कहा था कि पर्यावरण संबंधी जो भी नीति हो वह पूरे भारत में होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए इसलिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के 3 अप्रैल 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, स्टोरेज, परिवहन और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को संशोधित करने की मांग की गई है। 12 सितंबरः कोर्ट रूम में कई पक्षों की दलील और बेंच की टिप्पणी-बेंच ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट को इस मामले में नोटिस जारी किया और दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायमित्र सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह ने कहा कि कुलीन वर्ग अपना ध्यान रखता है। प्रदूषण होने पर वे दिल्ली से बाहर चले जाते हैं। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे प्रदूषण के मामले में पैंश से डिटेल रिपोर्ट लें। लॉ ऑफिसर ने कहा कि नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (NEERI) जांच कर रहा है कि क्या ग्रीन पटाखों से प्रदूषण कम हो सकता है या नहीं। पटाखा बनाने वाली कंपनियों के वकील ने सुझाव दिया कि NEERI यह बताए कि पटाखों में कौन-कौन से केमिकल कितनी मात्रा में इस्तेमाल किए जा सकते हैं, ताकि कंपनियां उन्हें अपने पटाखों में शामिल कर सके। कुछ अन्य पक्षों की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने चिंता जताई कि पटाखों पर बैन के साथ-साथ अधिकारियों ने उनके मौजूदा लाइसेंस भी रद्द करना शुरू कर दिए हैं। बेंच ने कहा कि फिलहाल पटाखों के लाइसेंस रद्द करने के मामले में स्थिति जैसी है वैसी ही बनी रहेगी। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में पटाखा बैन मामले पर अप्रैल में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे बेहद जरूरी बताया था।

## अतीत का झरोखा

# गांधीजी की मर्जी के उलट 17 साल सीएम रहे श्रीबाबू,इंसुलिन लगाकर खाते थे रसगुल्ले, दलितों के लिए मंदिर के पंडों से लड़ गए

पटना। बात 1953 की है। गांधीवादी विनोबा भावे 'भूदान आंदोलन' की अगुआई करते हुए बिहार पहुंचे। तब उन्हें पता चला कि देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में दलित नहीं जा सकते।

उन्होंने दलितों के साथ मंदिर जाने का ऐलान किया। बैद्यनाथ धाम के पंडों को ये नामंजूर था। पंडों ने विनोबा को रोकना चाहा, लेकिन वे नहीं माने और सत्याग्रह पर बैठ गए। गुस्साए पंडों ने विनोबा से मारपीट कर दी। हंगामा खड़ा हो गया। राज्य सरकार पर भी दबाव बढ़ने लगा। तब के मुख्यमंत्री श्रीबाबू ने ऐलान किया- 'मैं खुद दलितों के साथ बैद्यनाथ मंदिर में प्रवेश करूंगा।' पंडों में हड़कंप मच गया। उन्होंने श्रीबाबू के परिवारवालों और करीबियों से कहा कि श्रीबाबू ऐसा न करें, नहीं तो अनर्थ हो जाएगा। श्रीबाबू के बड़े भाई देवकीनंदन ने भी विरोध किया, लेकिन वे नहीं माने। फिर तारीख आई 27 सितंबर 1953 की। बैद्यनाथ धाम छावनी बन चुका था। श्रीबाबू ने मंत्री विनोदानंद झा और 700 दलितों के साथ मंदिर में प्रवेश किया और पूजा की। पुलिस की मौजूदगी और नेताओं की मर्जी के सामने पंडे कुछ कर नहीं पाए। श्रीबाबू के इस ऐतिहासिक कदम के बाद राज्य के सभी सार्वजनिक मंदिरों में किसी भी जाति के प्रवेश पर लगी अघोषित रोक खत्म हो गई। श्रीकृष्ण सिंह का गांव मुंगेर जिले के बरबीघा थाना के माउर में था, लेकिन उनका जन्म 21 अक्टूबर 1887 को नवादा जिले के खनवा गांव में हुआ। ये उनका ननिहाल था। वे 5 भाई थे, 3 उनसे बड़े और एक छोटे। पिता हरिहर सिंह मुंगेर के जमींदार और शिवभक्त थे।एक रोज श्रीकृष्ण की मां की तबीयत बिगड़ गई। पता चला कि उन्हें प्लेग हो गया है। कुछ ही दिनों में वो चल बसीं। तब श्रीकृष्ण महज 5 साल के थे। तब से उनकी बड़ी भाभी यानी सबसे बड़े भाई देवकीनंदन सिंह की पत्नी ने देखभाल का जिम्मा संभाला। श्रीबाबू को पिता हरिहर से शुरुआती शिक्षा मिली। सबसे पहले उन्होंने उर्दू सीखी, फिर हिंदी। 1894 में वे गांव के स्कूल में पढ़ने जाने लगे। फिर उनका दाखिला मुंगेर जिला स्कूल में हो गया। वजीफा भी मिल गया। धीरे-धीरे वे कोर्स के अलावा देश-दुनिया की राजनीति से जुड़ीं किताबें पढ़ने लगे। राजनीति में दिलचस्पी बढ़ती गई। वे लोकमान्य तिलक का 'मराठा' और श्री अरविंदो का 'वंदे मातरम' अखबार पढ़ने लगे। दिल्ली यूनिवर्सिटी में हिस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर नरेंद्र कुमार पांडेय अपनी किताब 'डॉ. श्रीकृष्ण सिंहः इतिहास के आईने में' में लिखते हैं, 'श्रीकृष्ण पर बंगाली और मराठा नेताओं के विचारों, लेखों और किताबों का असर पड़ा। वे क्रांति की ओर बढ़ने लगे। एक रोज वे गंगा नदी में खड़े

हो गए। उन्होंने एक हाथ में गीता और दूसरे हाथ में कृपाण लेकर कसम खाई कि चाहे प्राण ही क्यों न चले जाएं, लेकिन देशसेवा की राह से नहीं भटकूंगा।' जॉर्ज पंचम पटना आए, तो खुद को दिनभर कमरे में बंद कर लिया- साल 1911, दिसंबर का महीना। ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम पटना पहुंचे। तब श्रीकृष्ण पटना कॉलेज में पढ़ते थे और मिंटो हिंदू हॉस्टल में रहते थे। मिंटो हॉस्टल गंगा नदी के किनारे था। किंग जॉर्ज के स्वागत में पूरा शहर सजाया गया। वे नाव में बैठकर शहर देखने निकले। घाटों पर लंबा जाम लग गया। पटना कॉलेज के छात्र भी किंग जॉर्ज को देखने के लिए जाने लगे, पर श्रीकृष्ण सिंह नाराज हो गए। कहने लगे- 'लोग उसे देखने के लिए उतावले हैं, जिसके हम गुलाम हैं।' श्रीकृष्ण को अंग्रेजों से इतनी नफरत थी कि वे दिनभर अपने कमरे से बाहर नहीं निकले। खिड़की-दरवाजे तक बंद कर लिए, ताकि भूल से भी किंग जॉर्ज पर नजर न पड़ जाए। 1913 में एमए की डिग्री हासिल करने बाद श्रीकृष्ण पटना के नेशनल कॉलेज में पढ़ाने लगे, लेकिन बड़े भाई देवकीनंदन के कहने पर वे नौकरी छोड़कर वकालत पढ़ने लगे। 1915 में उन्हें डॉक्टरेट ऑफ लॉ की डिग्री मिली। वे मुंगेर में वकालत करने लगे। इस बीच उनकी शादी हो गई। दो बेटे भी हुए- शिवशंकर और बंदीशंकर। फिर साल आया 1916 का। वाराणसी के सेंट्रल हिंदू कॉलेज में एक सभा हुई। यहां महात्मा गांधी ने भाषण दिया। सभा में श्रीकृष्ण भी मौजूद थे। गांधीजी के विचारों ने उनके मन में छाप छोड़ दी। वे गांधीजी के आंदोलनों में भाग लेने लगे। आगे चलकर श्रीकृष्ण का नाम 'श्रीबाबू' और 'बिहार केसरी' पड़ गया। 1920 में गांधीजी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया। अगले ही साल वकालत छोड़ श्रीबाबू भी आंदोलन से जुड़ गए। जेल भी गए। रिहाई के बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए। 1927 में वे बिहार विधान परिषद के सदस्य बन गए। अब बिहार के बड़े नेताओं में श्रीबाबू की गिनती होने लगी थी। गांधीजी की मर्जी के उलट बिहार के प्रधानमंत्री बने- साल 1937, अंग्रेजों ने बिहार में पहली बार विधानसभा चुनाव करवाए। कांग्रेस को बहुमत मिला, लेकिन अंग्रेजों ने मुस्लिम इंडिपेंडेंट पार्टी के मोहम्मद यूनुस को बिहार का प्रीमियर बना दिया। तब राज्यों में मुख्यमंत्री के बजाय प्रीमियर यानी प्रधानमंत्री का पद होता था। कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। आखिरकार यूनुस को इस्तीफा देना पड़ा। अब कांग्रेस में विधायक दल का नेता चुनने की कवायद शुरू हुई। महात्मा गांधी की पसंद अनुग्रह नारायण सिंह थे। वे चंपारण

सत्याग्रह के दिनों से अनुग्रह नारायण को जानते थे। उन्होंने कद्दावर कांग्रेसी नेता और बाद में राष्ट्रपति बने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को चिट्ठी लिखी- 'अनुग्रह बाबू को विधायक दल का नेता चुना जाए।' जुलाई 1937, एक दिन पटना के सदाकत आश्रम में कांग्रेसी विधायकों की बैठक हुई। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने ऐलान किया, 'गांधीजी चाहते हैं कि अनुग्रह बाबू को नेता चुना जाए।' इतना सुनते ही कांग्रेसी नेता सर गणेश दत्त सिंह और किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती खड़े हो गए। सर गणेश बोल पड़े, 'अनुग्रह ही क्यों, श्रीबाबू क्यों नहीं?' दरअसल, अनुग्रह बाबू राजपूत थे और उन्हें कायस्थ लॉबी का समर्थन था। वहीं श्रीबाबू भूमिहार थे और उनके साथ ब्राह्मण गुट था। दरभंगा नरेश कामेश्वर सिंह भी श्रीबाबू के फेवर में थे। अनुग्रह बाबू भांप गए कि श्रीबाबू का पलड़ा भारी है। उन्होंने खुद ही श्रीबाबू का नाम आगे कर दिया। इस तरह गांधीजी की मर्जी के उलट श्रीबाबू विधायक दल के नेता चुने गए और बिहार के प्रीमियर यानी प्रधानमंत्री बन गए। 1950 में संविधान लागू होने के बाद राज्यों के प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री कहलाने लगे। यानी श्रीबाबू बिहार के प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री हो गए। 1952 में देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए। बिहार की 331 में से 235 विधानसभा सीटें कांग्रेस ने जीतीं। अब बारी थी विधायक दल के नेता चुनने की। पंडित नेहरू ने इस बार भी श्रीबाबू का साथ दिया, लेकिन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद चाहते थे कि अनुग्रह नारायण मुख्यमंत्री बनें। दोनों ओर जबरदस्त लामबंदी हुई। आखिर में नेहरू ने अनुग्रह बाबू से बात की और एक पॉलिटिकल फॉर्मूला सुझाया। अनुग्रह मान भी गए। विधायक दल की मीटिंग में अनुग्रह बाबू ने खुद ही श्रीबाबू का नाम आगे कर दिया। नेहरू के फॉर्मूले के तहत श्रीबाबू सीएम बने और अनुग्रह बाबू डिप्टी सीएम। अनुग्रह बाबू को वित्त मंत्रालय भी मिला। दोनों के बीच भले ही राजनीतिक अदावत रही, लेकिन एक दूसरे पर भरोसा कभी कम नहीं हुआ। श्रीबाबू प्रोटोकॉल से बाहर जाकर भी अनुग्रह बाबू की फाइलों और सिफारिशों पर दस्तखत कर देते थे। फरवरी 1957 में बिहार में फिर से विधानसभा चुनाव हुआ।

कांग्रेस ने 318 में से 210 सीटें जीतीं। इस बार अनुग्रह बाबू ने खुलकर मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक दिया। अनुग्रह बाबू को लगा कि दिल्ली आलाकमान का अब उतना दबाव नहीं है और अंदरखाने विधायकों का समर्थन भी है। इधर, श्रीबाबू को अंदाजा था कि चुनाव बाद उनके खिलाफ खेमेबंदी होगी। ऐसे में उन्होंने चुनाव से पहले ही एक दांव चला। उन्होंने पार्टी की तरफ से ऑब्जर्वर बनकर आए बंबई के सीएम मोरारजी देसाई के साथ मिलकर संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट में से 70 नाम कटवा दिए। इनमें से ज्यादातर अनुग्रह बाबू के खेमे के थे। वहीं राजपूत जाति से आने वाले अनुग्रह बाबू ने चुनाव के बाद सारा ध्यान दूसरी जाति के विधायकों को मनाने में लगा दिया। इससे नाराज राजपूत श्रीबाबू के खेमे में चले गए। बिहार के कद्दावर कांग्रेसी नेता रहे ललितेश्वर प्रसाद शाही अपनी बायोग्राफी 'बनते बिहार का साक्षी' में लिखते हैं, 'मार्च महीने के एक दिन हुई बैठक में श्रीबाबू को 145 कांग्रेस विधायकों के वोट मिले, जबकि अनुग्रह बाबू को 109 वोट।' जीत के बाद श्रीबाबू अपने समर्थकों और गाजे-बाजे के साथ राजभवन के सामने बने घर पहुंचे। जश्न का माहौल था। मिठाइयां बंट रही थीं। श्रीबाबू घर की पहली मंजिल पर थे, तभी उन्हें पता चलता है कि अनुग्रह बाबू वहां आ रहे हैं। भारी-भरकम शरीर वाले श्रीबाबू तेजी से सीढ़ियां उतरे और अनुग्रह बाबू की गाड़ी के दरवाजे तक पहुंच गए। जैसे ही अनुग्रह बाबू गाड़ी से बाहर निकले, श्रीबाबू उनके गले लग गए। दोनों रोने लगे। अनुग्रह बाबू माफी मांगते हुए बोले, 'उकसावे में आपके खिलाफ खड़े होने की गलती कर दी।' श्रीबाबू ने कहा, 'देखो अनुग्रह, अब इस अदावत को यहीं खत्म करो। तुम्हारा जैसा मन हो वैसी सरकार बनाओ।' श्रीबाबू ने कहा- या तो मैं चुनाव लड़ूंगा या मेरा बेटा 1957 में चुनाव हो रहे थे। कांग्रेस के कुछ बड़े नेता श्रीबाबू से उनके बेटे शिवशंकर को चुनाव लड़वाने के लिए जोर डालने लगे, लेकिन श्रीबाबू नहीं माने। उन्होंने कहा, 'मैं तैयार हूं, लेकिन फिर मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। एक परिवार से एक ही व्यक्ति को चुनाव लड़ना चाहिए।' यही वजह थी कि श्रीबाबू के रहते उनके परिवार से कोई चुनाव नहीं लड़ा। श्रीबाबू अपने लिए कभी वोट मांगने नहीं जाते थे। फिर भी कभी चुनाव नहीं हारे। श्रीबाबू कहते थे- अगर मैंने काम किया है तो लोग मुझे वोट देंगे। हालांकि, वे आम दिनों में अपने क्षेत्र में जरूर जाते थे। सीएम रहते जब भी वे अपने गांव जाते, तो सुरक्षाकर्मियों को दूर ही छोड़ देते। उनका मानना था कि अपने गांव में उन्हें किसी से खतरा नहीं हो सकता। खाने के इतने शौकीन कि इंसुलिन लगाकर रसगुल्ला खाते थे- श्रीबाबू के परपोते अनिल कुमार सिन्हा ने एक इंटरव्यू में बताया कि बाबा (श्रीबाबू) के बारे में मेरे पिताजी बताते थे कि वे खाने के बहुत शौकीन थे। वे इंसुलिन का इंजेक्शन लगाकर रसगुल्ला खाते थे। यही वजह थी कि उनका वजन बहुत बढ़ा हुआ था। अनिल कहते हैं, 'जब भी बाबा मुजफ्फरपुर या बेगूसराय जाते तो पहले ही अरहर

की दाल बनाकर रखने का संदेश भेज देते। वहां रुक के खाना खाना, लोगों से मिलना उनका शौक था। उस वक्त आने-जाने की बेहतर सुविधा नहीं थी। बाबा पालकी या बैलगाड़ी से क्षेत्र का मुआयना करते थे।' नेहरू से बोले- बिहार में फैक्ट्री नहीं लगी तो इस्तीफा दे दूंगा, अनशन पर बैठ गए-श्रीबाबू बिहार में रिफाइनरी और उर्वरक फैक्ट्री लगवाना चाहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नेहरू ने इसके लिए दूसरे राज्य चुन रखे थे। श्रीबाबू इसके खिलाफ अनशन पर बैठ गए। साफ बोले- बिहार में प्रोजेक्ट शुरू नहीं हुए तो इस्तीफा दे दूंगा।' इसके बाद ही बरौनी में दोनों कारखाने खोले गए। कहते हैं कि प्रधानमंत्री नेहरू को सिर्फ दो ही मुख्यमंत्री 'तुम' कहा करते थे। पहले बंगाल के सीएम विधान चंद्र रॉय और दूसरे बिहार के सीएम श्रीबाबू।

परपोते अनिल कुमार सिन्हा के मुताबिक, नेहरू बाबा को इतना पसंद करते थे कि वह उन्हें केंद्र में गृह मंत्रालय देना चाहते थे, लेकिन बाबा बिहार में ही काम करना चाहते थे। 17 साल के कार्यकाल के दौरान श्रीबाबू ने बोकारो में पहला स्टील प्लांट लगवाया। बरौनी में डेयरी शुरू की। हटिया में भारी उद्योग निगम स्थापित किया। गढ़हरा में एशिया का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड बनवाया। भागलपुर के सबौर, समस्तीपुर के पूसा और रांची में एग्रीकल्चर कॉलेज बनवाए। कई पुल, हाईवे, ब्रिज बनवाए। इसलिए वे 'आधुनिक बिहार के निर्माता' कहलाए। संपत्ति के नाम पर सिर्फ 24.5 हजार, वो भी परिवार के लिए नहीं 31 जनवरी 1961 को श्रीबाबू का निधन हो गया। 12 दिन बाद राज्यपाल डॉ. जाकिर हुसैन, बिहार के तत्कालीन सीएम दीपनारायण सिंह, जयप्रकाश नारायण और श्रीबाबू के मुख्य सचिव मजूमदार की मौजूदगी में उनकी तिजोरी खोली गई। उसमें 4 लिफाफे निकले। चारों में कुछ-कुछ रकम थी। कुल मिलाकर साढ़े 24 हजार रुपए, ?वह भी पार्टी और करीबियों के लिए। पहले लिफाफे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नाम 20 हजार रुपए थे। दूसरे में उजिहार हुसैन मुनीमी नाम के एक दोस्त की बेटी की शादी के लिए 3 हजार रुपए। तीसरे लिफाफे में बिहार के तत्कालीन मंत्री महेश प्रसाद सिन्हा की छोटी बेटी की शादी के लिए एक हजार रुपए निकले और चौथे में अपने एक भरोसेमंद नौकर के लिए 500 रुपए।सीनियर जर्नलिस्ट संतोष सिंह अपनी किताब 'द जननायक कर्पूरी ठाकुरः वॉयस ऑफ द वॉयसलेस' में लिखते हैं, '1937 से 1939 तक जब वे बिहार के प्रधानमंत्री थे, तब मंत्रियों को हर महीने 5 हजार रुपए सैलरी मिलती थी। श्रीबाबू ने इसे घटाकर 500 रुपए कर दिया था।'

## मोदी ने कहा- कांग्रेस ने नॉर्थईस्ट को नजरअंदाज किया,हमने इसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई,8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी मानते हैं

त्रिपुरा। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के दौरे पर हैं। सबसे पहले वे ईटानगर पहुंचे। उन्होंने यहां 5,100 करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। उन्होंने कहा, 'अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। हमारा पूरा नॉर्थईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं , नेशन फर्स्ट की भावना है।' उन्होंने कहा, 'जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है। हमने लास्ट माइल कनेक्टिविटी को अपनी सरकार की पहचान बनाया। हमने यहां के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी माना है।' नॉर्थईस्ट में 8 राज्य अरुणाचल, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं। मोदी के स्पीच की 5 बड़ी बातें, कहा- नॉर्थ ईस्ट के आठों राज्यों की अष्टलक्ष्मी। 1. अरुणाचल का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीकः यहां का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक है। अरुणाचल मैं कई बार आया हूं। इसलिए यहां की ढेर सारी यादें मेरे साथ जुड़ी हुई हैं। उनका स्मरण भी मुझे भी अच्छा लगता है। तवांग मठ से लेकर स्वर्ण पगोडा तक अरुणाचल शांति का संगम हैं, मां भारती का गौरव है। मैं इस पुण्यभूमि को प्रणाम करता हूं। 2. मैं यहां तीन वजहों से आयाः पहली- आज मुझे यहां सुंदर पर्वतों के दर्शन का सौभाग्य मिला। नवरात्र के पहले दिन आज सब मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं जो पर्वतराज हिमालय की बेटी हैं। दूसरी वजह- आज से नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो रहा है। जनता जर्नादन को डबल बोनांजा मिला है। तीसरी वजह- आज के दिन अरुणाचल में विकास के ढेर सारे प्रोजेक्ट, आज राज्य को पावर कनेक्टिविटी, टूरिज्म अनेक सेक्टर से जुड़े प्रोजेक्ट मिले हैं। ये बीजेपी की डबल इंजन सरकार के डबल बेनिफिट का उदाहरण है। 3. कांग्रेस ने अरुणाचल को नजरअंदाज कियाः अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। इसी वजह से हमारा पूरा नॉर्थईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाने की ठान ली। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं , नेशन फर्स्ट की भावना है। देश पहले, हमारा एक ही मंत्र है, नागरिक देवो भवः। जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के

बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है। 4. सरकार दिल्ली बैठकर नहीं चलेगी, मंत्रियों को यहां भेजाः हमने लास्ट माइल कनेक्टिविटी को अपनी सरकार की पहचान बनाया। हमने इतना पक्का किया कि सरकार दिल्ली में बैठकर नहीं चलेगी। अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा यहां आना होगा, रात रुकना होगा।कांग्रेस सरकार के समय दो चार महीने में एकाध बार कोई मंत्री नॉर्थ ईस्ट आता था। ?बीजेपी सरकार में 800 से ज्यादा बार केंद्रीय मंत्री यहां आ चुके हैं। हमारा प्रयास रहता है कि मंत्री यहां आएं तो दूरदराज जाएं, रुककर जाएं। मैं खुद 70 से ज्यादा बार नॉर्थईस्ट आया हूं। नॉर्थ ईस्ट मुझे दिल से पसंद है। इसलिए हमने दिल की दूरी भी मिटाई है ,दिल्ली को आपके पास लेकर आएं। 5. नॉर्थ ईस्ट के आठ राज्य अष्टलक्ष्मीः हम नॉर्थ ईस्ट के आठों राज्यों की अष्टलक्ष्मी मानते हैं। यहां के विकास के लिए केंद्र सरकार ज्यादा से ज्यादा पैसे खर्च कर रही है। बीजेपी ने अरुणाचल को 16 गुना ज्यादा पैसा दिया है। ये सिर्फ टैक्स का पैसा है। इसके अलावा जो भारत सरकार अलग अलग स्कीम के तहत खर्च कर रही है वो तो अलग ही है, इसलिए यहां आप इतना तेज विकास देख रहे हैं। जब नेक नीयत से काम होता है, जब प्रयासों में ईमानदारी होती है तो नतीजे दिखते हैं। माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर परिसर में अब नया प्रवेश द्वार और तीन मंजिला कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। इसका री-डेवलपमेंट प्रसाद योजना के तहत हुआ है, जिस पर 52 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च हुए हैं। इसमें 7 करोड़ रुपए राज्य सरकार ने दिए। खास बात यह है कि मंदिर का उद्घाटन नवरात्रि के पहले दिन होगा। प्रधानमंत्री यहां पूजा-अर्चना करेंगे।यह मंदिर ऐतिहासिक रूप से बहुत खास है। इसे 1501 में महाराजा धन्य माणिक्य ने बनवाया था और इसी के नाम पर राज्य का नाम त्रिपुरा पड़ा। कोलकाता के कालीघाट और गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर के बाद यह पूर्वी भारत का तीसरा प्रमुख शक्तिपीठ है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बताया कि प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारी और व्यवस्थाएं पूरी हो गई हैं। सीएम ने कहा कि उन्होंने पुनर्विकसित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर और उसके आसपास के सौंदर्यीकरण का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया था। 'प्रसाद' स्कीम (Pilgrimage Rejuvenation and Spirituality Augmentation Drive) के तहत 524 साल पुराने त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का 52 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया गया है। त्रिपुरा सरकार ने भी इस परियोजना में 7 करोड़ रुपए का योगदान दिया है।पीएम मोदी ईटानगर में 3,700 करोड़ रुपए से ज्यादा के दो बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट की आधारशिला रखेंगे। इन दोनों परियोजनाओं को अरुणाचल प्रदेश के सियोम उप-बेसिन क्षेत्र में बनाया जाएगा। इन परियोजनाओं में हेओ हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (240 मेगावाट) और तातो-Iहाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (186 मेगावाट) शामिल हैं। तवांग में 9,820 फीट की ऊंचाई पर बनेगा कन्वेंशन सेंटर-प्रधानमंत्री मोदी अरुणाचल प्रदेश के तवांग में नए कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखेंगे।

## 'भट्ट साहब ने मुझे एक लाइफलाइन दी है', उनका अहसान-अनु मलिक ने बताया कि कैसे महेश भट्ट ने उन्हें म्यूजिक में वापसी का मौका दिया

मुंबई। फिल्ममेकर महेश भट्ट और म्यूजिक डायरेक्टर अनु मलिक की अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी पूरी कहानी' 8 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म का डायरेक्शन सुहृता दास ने किया है। वहीं, कहानी महेश भट्ट और श्वेता बोथरा लिखी और म्यूजिक अनु मलिक ने दिया। फिल्म में मेल और फीमेल वर्जन के साथ 10 से ज्यादा गाने हैं। इन गानों में पापोन, राघव चैतन्य, आनंदी जोशी, विशाल मिश्रा और अनमोल मलिक जैसी सिंगरों की आवाज शामिल है। हाल ही में फिल्ममेकर महेश भट्ट और म्यूजिक डायरेक्टर अनु मलिक ने फिल्म के गानों और उनके अनुभव को लेकर बताया की कैसरहा सफर। सवालः महेश जी और अनु जी, सालों बाद एक साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा? जवाबः महेश भट्टः जब आदमी फ्लॉप होता है, जब पिक्चर नहीं चलती, तो इंडस्ट्री उसे कौड़ी की तरह ट्रीट करती है। मगर अनु में कुछ खास चमक थी, उसके चेहरे में जो आज भी नजर आती है। हमारा रिश्ता काफी गहरा है। इंडस्ट्री में कहते हैं कि कलाकार की जिंदगी में तीन मौसम होते हैं- 'बड़ा पोटेंशियल', 'पहुंच गया मंजिल तक', और 'फिनिश्ड'। बहुत कम लोगों के लिए चौथा मौसम आता है- 'ही इज बैक' और अनु बिल्कुल इसी तरह लौटे हैं। यह कोई कमबैक नहीं, यह हिट बैक है। अनु मलिकः मुझे लगता है कि भट्ट साहब के साथ मेरा रिश्ता किसी पिछले जन्म का है, चाहे कोई माने या न माने। इस फिल्म के गानों के लिए उनके कॉल से ही मेरे अंदर एक अलग उत्साह और दिल की धड़कनें बढ़ गईं। मैंने महसूस किया कि यह वही मौका है, जब दुनिया

ने मुझे छोड़ दिया था, लेकिन भट्ट साहब ने मुझे एक लाइफलाइन दी। कहानी सुनने के बाद जब मैंने पहला गाना रिकॉर्ड किया, भट्ट साहब मेरे सामने खड़े हुए और बोले, 'ट्रैक ऑन करो।' मैंने अपनी आंखें बंद की। जब उन्होंने गाना सुना, तो उनकी आंखों में आंसू थे। उन्होंने मुझे गले लगाकर कहा- ऐसे ही काम करना।सवालः आजकल कहा जाता है कि जेन-जी के दौर में मेलोडी वाले गाने नहीं चलते। आप इस धारणा को कैसे देखते हैं? जवाबः अनु मलिकः मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। जेन-जी मेलोडी को बहुत प्यार करती है। हम हिंदुस्तानी हैं और यहां लोग हमेशा से मेलोडी को पसंद करते आए हैं। हाल ही में किसी ने मुझे मेरे गाने पर कॉम्प्लीमेंट दिया कि, 'ये गाना हमें इसलिए पसंद आ रहा है क्योंकि हम इसे गुनगुना पा रहे हैं।' यही मेलोडी की असली ताकत है। महेश भट्टः देखिए, मार्केट हमेशा डर के आधार पर काम करता है, लेकिन आर्टिस्ट का दिल डर से नहीं, प्यार से काम करता है। अगर धुन में प्यार है, तो वही लोगों तक पहुंचेगी। जब कोई डर से गाना बनाएगा, तो उसमें डर झलकेगा, लेकिन जब दिल टूटा हो या प्यार से भरा हो, तब असली आर्ट निकलता है। लोग कहते हैं कि नई पीढ़ी में गहराई नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि यह बिल्कुल गलत धारणा है। हमारे बच्चों में बहुत गहराई है। यह वाकई एक शानदार पीढ़ी है।सवालः अनु जी, इस फिल्म में आपकी बेटी अनमोल ने भी गाना गाया उनकी एंट्री कैसे हुई ? जवाबः देखिए, गाने का आइडिया आया तो सबसे पहले यह डिस्कशन हुआ कि हमें एक अलग आवाज चाहिए। रोमांटिक हो, लेकिन जेन-जी को अपील करे। मैंने सोचा क्यों न किसी लड़की को ट्राय करूं। तब मैंने अपनी बेटी अनमोल को बुलाया। जब भट्ट साहब ने उसकी आवाज़ सुनी, तो उन्होंने तुरंत कहा -'ये कुछ नया लेकर आई है।' आप मानिए, मैं ऐसे ही किसी सिंगर को पास नहीं करता, लेकिन अनमोल ने गाया, तो मुझे भी हैरानी हुई। गाना पूरा होते ही भट्ट साहब ने उसे गले लगा लिया। तब मुझे समझ आया कि हां, सही रास्ते पर हैं। सवालः अनु जी, इस गाने को लेकर ऑडियंस की शुरुआती प्रतिक्रिया कैसी रही? जवाबः शानदार! मेरी बेटी ने मुझे फोन करके कहा, 'पापा, बगल वाली गाड़ी में आपका गाना फुल वॉल्यूम पर बज रहा है।' और यह रिलीज के अगले दिन की बात थी। इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है? इस गाने को लोगों ने दिल से अपनाया है। टूटे दिल वालों ने इसे सीने से लगा लिया है।सवालः अनु जी, आपने कुछ बड़े सिंगर्स के नाम भी सुझाए थे। उस पर क्या चर्चा हुई थी? जवाबः हां, मैंने सोचा था कि बड़े नाम जुड़ेंगे तो म्यूजिक कंपनी को बेचना आसान होगा। मैंने एक मशहूर मेल सिंगर और एक टॉप फीमेल सिंगर के नाम लिए, लेकिन भट्ट साहब मुस्कुरा कर बोले- 'ना होगा, ना वो तेरे लिए गाएंगे। अपने आप को स्ट्रगलर समझ, अब तेरा इम्तिहान शुरू है।' उनकी ये बात मुझे अंदर तक हिला गई, लेकिन शायद यही सच्चा मार्गदर्शन था।

## इरफान खान ने नसीरुद्दीन शाह-ओम पुरी को दी थी गाली,रिटेक से हो गए थे गुस्सा, दीपक डोबरियाल ने बताया मकबूल की शूटिंग का किस्सा

मुंबई। विशाल भारद्वाज की फिल्म 'मकबूल' भारतीय सिनेमा

की क्लासिक फिल्मों में गिनी जाती है। शेक्सपियर के नाटक 'मैकबेथ' पर आधारित यह फिल्म न सिर्फ इरफान खान के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई, बल्कि ओम पुरी, नसीरुद्दीन शाह, तब्बू, पंकज कपूर और पीयूष मिश्रा जैसे दिग्गज कलाकारों के दमदार एक्टिंग के लिए भी याद की जाती है। इस फिल्म में दीपक डोबरियाल ने भी काम किया था। हाल ही में स्क्रीन के साथ बातचीत में दीपक डोबरियाल ने फिल्म 'मकबूल' के सेट पर बिताए पलों को शेयर किया। उन्होंने एक किस्सा बताया कि क्यों इरफान खान ने नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी को गाली दे दी थी। दीपक ने बताया कि जब पीयूष मिश्रा के किरदार की मौत वाले सीन की शूटिंग हो रही थी। इस सीन में ओम पुरी को 'हवेली' शब्द बोलना था, लेकिन उनके शब्द के उच्चारण पर सभी हंस पड़े। डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने मजाक में कहा कि इसमें पंजाबी टच आ गया है। इसके बाद ओम पुरी और नसीरुद्दीन शाह ने जानबूझकर उस शब्द को और मजाकिया अंदाज में बोलना शुरू कर दिया। दीपक ने आगे बताया कि बार-बार हंसी और रीटेक की वजह से शूटिंग अटक गई। इरफान, जो इमोशनल सीन की तैयारी में गहराई से डूबे थे, अचानक गुस्से में ओम पुरी और नसीरुद्दीन शाह को गाली दे दी। फिर तुरंत माफी मांगते हुए बोले- 'मुझे लगा गाली देकर एक्टिंग हो जाएगी।' इस वाकये के बाद पूरा सेट अचानक सीरियस हो गया और आखिरकार सीन सफलतापूर्वक शूट हो गया। दीपक डोबरियाल ने कहा, 'उस पल के बाद किसी को और मजाक करने की हिम्मत नहीं हुई।' बता दें कि दीपक डोबरियाल हाल ही में फिल्म जुगनुमाः द फेबल में नजर आए हैं, जो इस समय सिनेमाघरों में चल रही है।

## पाकिस्तानी क्रिकेटर ने बल्ले से बनाई बंदूक,फिल्म एसोसिएशन ने भड़ककर कहा- ये शहीदों-सेना का अपमान, दिलजीत माफी नहीं मांगते तो बहिष्कार जारी रहेगा

मुंबई। 21 सितंबर को दुबई में भारत-पाकिस्तान का मैच

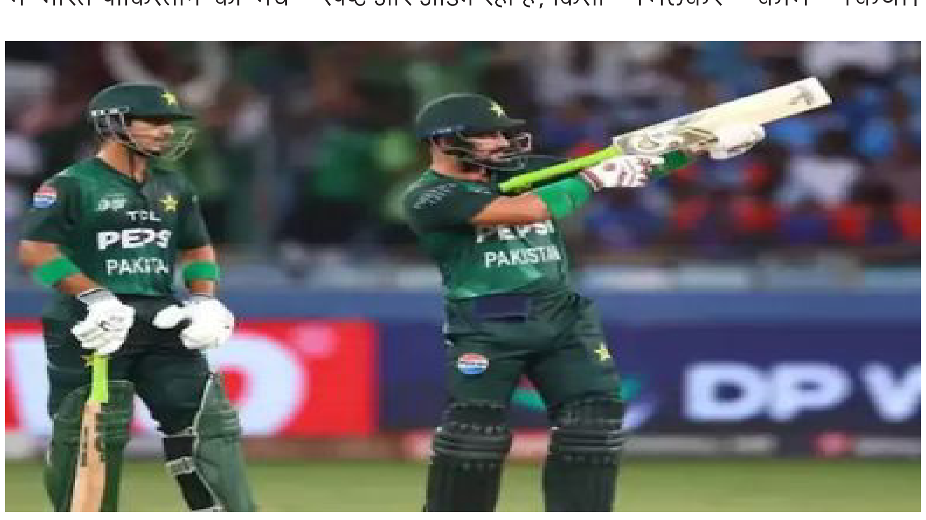

हुआ था। इस दौरान पाकिस्तानी क्रिकेटर साहिबजादा फरहान ने हाफ सेंचुरी पूरी होने पर जीत का जश्न मनाया, जिससे अब बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, उन्होंने हाफ सेंचुरी के बाद बल्ले को बंदूक की तरह पकड़ा और शूट करने का एक्शन किया। इस पर अब एआईसीडब्ल्यूए (ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन) ने भड़कते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'हाल ही में हुए भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान पाकिस्तान के एक खिलाड़ी ने अपना बल्ला बंदूक की तरह उठाकर भीड़ की ओर ताना। यह न केवल खेलभावना का अपमान था बल्कि भारत, हमारे शहीदों और हमारी सेना के प्रति एक खुला अपमान था। यह मैदान पर खेल नहीं, बल्कि आतंकवाद का प्रदर्शन था।' आगे लिखा गया है, 'एआईसीडब्ल्यूए हमेशा से ही अपने रुख पर स्पष्ट और अडिग रहा है, किसी भी पाकिस्तानी कलाकार को भारतीय फिल्म उद्योग में काम नहीं करने दिया जाएगा। जो भी भारतीय फिल्म निर्माता या प्रोड्यूसर पाकिस्तानी गायक, अभिनेता या परफॉर्मर को काम

देंगे, उन्हें एआईसीडब्ल्यूए द्वारा पूरी तरह से बहिष्कृत किया जाएगा।' 'जब सरदार जी 3 फिल्म बनाई गई थी, तब अभिनेता-निर्माता दिलजीत दोसांझ ने पाकिस्तान के कलाकारों के साथ मिलकर काम किया। एआईसीडब्ल्यूए ने इस गद्दारी का कड़ा विरोध किया और तब से दिलजीत दोसांझ पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। चाहे कोई उन्हें बॉर्डर 2 जैसी फिल्मों में काम दे, लेकिन जब तक वह सार्वजनिक रूप से देश से माफी नहीं मांगते, एआईसीडब्ल्यूए उनका बहिष्कार करता रहेगा।' आगे लिखा गया है, 'इसी तरह, एआईसीडब्ल्यूए ने फिल्म अबीर गुलाल और उसके निर्माताओं व मुख्य सहयोगियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। यह एक स्पष्ट और अडिग निर्णय है, जो लोग ऐसे देश के कलाकारों को बढ़ावा देते हैं जो खुलेआम आतंकवाद को समर्थन देता है, वे 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं और हमारी सेना के बलिदान के साथ विश्वासघात करते हैं। एआईसीडब्ल्यूए सभी देशभक्त नागरिकों से आह्वान करता है कि वे एकजुट हों, क्योंकि यह राजनीति का नहीं बल्कि हमारे वीर सैनिकों के सम्मान का मुद्दा है।' एसोसिएशन ने बीसीसीआई की भी कड़ी निंदा की है। उन्होंने लिखा, 'दुर्भाग्य से, बीसीसीआई के लिए हमेशा पैसा देश से ऊपर रहा है। उन्होंने इस शर्मनाक मैच को सिर्फ मुनाफे के लिए होने दिया और यह भूल गए कि भारत की असली पहचान हमारे वीर सैनिक हैं, न कि भ्रष्ट क्रिकेट बोर्ड। यहां तक कि आईसीसी चेयरमैन जय शाह भी इस मैच को रोक सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनकी खामोशी ही बहुत कुछ कहती है। एआईसीडब्ल्यूए का स्पष्ट संदेश है-यह राष्ट्र सिर्फ हमारे सैनिकों का है। भारत का निर्माण उनके बलिदान पर हुआ है, न कि क्रिकेट, पैसे या कायरता पर। राष्ट्र पहले, हमेशा।' एसोसिएशन के अलावा भी क्रिकेटर साहिबजादा फरहान की इस हरकत पर जमकर आलोचना हो रही है। कांग्रेस के कई लीडर्स ने इसे शर्मनाक कहा है। बताते चलें कि ये मैच 22 सितंबर को हुआ था, जिसमें भारत ने पहले बॉलिंग की और फिर 6 विकेट से मैच जीता। मैच के दौरान भारतीय बल्लेबाज अभिषेक की पाकिस्तानी प्लेयर रऊफ से भी बहस हुई थी।

## रविवार को करीना हुई 45की, प्यार में कमरे का ताला तोड़ा,शादी पर लव जिहाद विवाद, नेपोटिज्म पर बोलीं- मत देखो फिल्म, जीरो फिगर ट्रेंड लाने वालीं एक्ट्रेस

मुंबई। चाहे स्टाइलिश 'पू' हो या चुलबुली 'गीत' करीना कपूर ने अपने हर किरदार को खास बना दिया है। जहां उनके परिवार में लगभग सभी लोग फिल्मों में आने

का सपना देखते थे, वहीं करीना ने पहले वकालत का रास्ता चुना था। हालांकि एक्टिंग के प्रति झुकाव के कारण वह अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सकीं।करीना पिछले 25 साल से फिल्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए, जिन्होंने सभी को चौंका दिया। चाहे वो किसी ब्लॉकबस्टर फिल्म को ठुकराना हो या फिर अपने बच्चों के नामों को लेकर लिया गया बेबाक फैसला। एक्ट्रेस अपने हर निर्णय में बेहद स्पष्ट और साहसी रही हैं। करीना कपूर एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जो पीढ़ियों से फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ है। इसके बावजूद करीना हीरोइन नहीं बल्कि वकील बनना चाहती थीं। इतना ही नहीं, वह अमेरिका के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी जाकर पढ़ना चाहती थीं। शुरुआत में उनकी मां उन्हें अकेले ळए भेजने के खिलाफ थीं, लेकिन करीना ने सबको राजी कर लिया। वो 3 महीने के समर कोर्स के लिए वहां गई थीं। हार्वर्ड जाने वालीं करीना कपूर खानदान की पहली लड़की थीं, जिनकी चर्चा पूरे खानदान में हुई थी। यहां तक कि पिता रणधीर कपूर हर किसी को कॉल कर बताते थे कि उनकी बेटी हार्वर्ड में पढ़ाई कर रही है।हार्वर्ड से लौटने के बाद करीना ने वकालत करने की सोची और मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज में एडमिशन ले लिया। वो आम बच्चों की तरह कॉलेज जाती थीं, हालांकि इस पर पूरे परिवार को ऐतराज था। करिश्मा कपूर उस समय तक फिल्मों में आ चुकी थीं और कपूर खानदान का बड़ा नाम था, इसके बावजूद करीना ने आम लोगों की तरह कॉलेज में रहने का फैसला किया, लेकिन एक्टिंग की ओर झुकाव के चलते उन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और फिल्मों में आने का फैसला किया।मैगजीन द वीक से बातचीत में करीना ने कहा, मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैं वकील बनने के इरादे से हार्वर्ड के समर स्कूल में गई थी। मेरे पास उस कैंपस की एक तस्वीर भी है। मैंने सच में सोचा था कि मैं वकील बनूंगी। मैं एक अजीब से दौर से गुजरी, लेकिन जब आपके अंदर एक्टिंग का कीड़ा हो, तो आप उससे बच नहीं सकते। जब करीना 15 साल की थीं, तब उन्हें अपने स्कूल का एक लड़का बहुत

पसंद था, लेकिन जैसे ही उनकी मां बबीता को इस बात की भनक लगी, तो उन्होंने करीना का फोन छीनकर अपने पास रख लिया। एक दिन जब बबीता डिनर के लिए बाहर गई हुई थीं तब करीना ने चाकू की मदद से उनके कमरे का ताला तोड़ा और फोन निकालकर उस लड़के से मिलने चली गईं। इस हरकत से बबीता बहुत नाराज हुईं। इसके बाद उन्होंने करीना को सजा के तौर पर बोर्डिंग स्कूल भेज दिया। करीना ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। इन सालों में उन्होंने एक से बढ़कर एक यादगार फिल्मों में काम किया और खुद को एक वर्सेटाइल एक्ट्रेस बनाया। करीना ने साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन नजर आए थे। हालांकि फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन करीना की खूबसूरती और एक्टिंग ने दर्शकों का ध्यान जरूर खींचा। दिलचस्प बात यह है कि करीना को इससे पहले ऋतिक रोशन की डेब्यू फिल्म कहो ना... प्यार है का ऑफर मिला था, जिसकी उन्होंने शूटिंग भी की, लेकिन फिर ठुकरा दिया। दरअसल, जब राकेश रोशन को पता चला कि करीना फिल्मों में आना चाहती हैं, तो वो फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर उनके घर पहुंच गए। करिश्मा और करीना के लिए बबीता ही फैसले लिया करती थीं, ऐसे में राकेश ने उनसे बातचीत की और बबीता भी मान गईं। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले करीना ने किशोर नमित कपूर का एक्टिंग स्कूल जॉइन कर लिया। फिल्म की शूटिंग वर्सोवा के कॉन्वेंट विला में शुरू हो गई। शूटिंग में बबीता और करिश्मा भी करीना के साथ जाया करती थीं। पहला शेड्यूल गाने की शूटिंग का था और कुछ सीन हो गए थे, लेकिन फिर अगले दिन बबीता ने राकेश को कॉल किया और कहा कि अच्छा होगा अगर वो गाने से पहले फिल्म के दूसरे सीन शूट कर लें, क्योंकि करीना डांस से ज्यादा एक्टिंग में कंफर्टेबल हैं। राकेश ने इससे इनकार कर दिया और कहा कि गाने के लिए बहुत तैयारी की जा चुकी है। इस मतभेद के कारण बबीता कपूर ने तय किया कि करीना इस फिल्म में काम नहीं करेंगी और करीना ने भी फिल्म छोड़ दी। करीना ने अपने करियर में सिर्फ 'कहो ना प्यार है' ही नहीं, बल्कि कई बड़ी और ब्लॉकबस्टर फिल्मों को ठुकराया है, जिनमें शाहरुख खान की फिल्म कल हो ना हो, संजय लीला भंसाली की सुपरहिट फिल्म राम-लीला, रोहित शेट्टी की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस, जोया अख्तर की मल्टीस्टारर फिल्म दिल धड़कने दो, कंगना रनोट की क्वीन और सलमान खान की फिल्म हम दिल दे चुके सनम शामिल हैं। करीना कपूर साल 2001 में फिल्म अजनबी में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बिपाशा भी थीं और यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। लीड हीरो अक्षय और बॉबी थे, लेकिन फिल्म के शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। दरअसल, सेट पर बॉबी देओल की पत्नी तान्या बिपाशा के कॉस्ट्यूम का ख्याल रखती थीं। ऐसे में करीना को लगने लगा कि बिपाशा को ज्यादा अटेंशन मिल रही है। इसी के चलते दोनों के बीच कोल्ड वॉर रही और सेट पर बहस होने लगी। जब ये बात बबीता को पता चली तो वो तान्या पर चिल्लाने लगीं। जवाब में तान्या ने भी पलटकर जवाब दे दिया। करीना से मां की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं हुई और उन्होंने तान्या से झगड़ा शुरू कर दिया। बहस के दौरान करीना ने बिपाशा को काली बिल्ली कहा और उन्हें थप्पड़ मार दिया। जब बॉबी देओल ने बीच-बचाव किया तो करीना उन पर भी बरस पड़ीं। तान्या करीना से इस कदर नाराज हुईं कि उन्होंने करीना को थप्पड़ लगा दिया। सेट पर हुए झगड़े के बाद करीना फिल्म छोड़ना चाहती थीं, लेकिन नुकसान के डर से उन्होंने ऐसा नहीं किया। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू के दौरान करीना ने कहा था कि उन्हें बॉबी की पत्नी तान्या पसंद नहीं हैं। उसने मेरी मां से बदतमीजी की, जो मुझे पसंद नहीं आया। बिपाशा में भी कॉन्फिडेंट की कमी है। करीना को सुधीर मिश्रा की फिल्म चमेली ऑफर हुई। इसमें उनका किरदार सेक्सवर्कर का था, लेकिन करीना ने इसे करने से साफ मना कर दिया और कहा कि वह एक सेक्सवर्कर के रोल में कंफर्टेबल नहीं होंगी। हालांकि कुछ समय बाद जब सुधीर मिश्रा ने करीना को दोबारा अप्रोच किया तो करीना फिल्म में काम करने के लिए मान गईं।इस रोल की तैयारी के लिए करीना मुंबई के कई रेड लाइट एरिया में गईं और वहां की औरतों की तरह हावभाव और कपड़े पहनना सीखा। ये फिल्म करीना के करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई और इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर की तरफ से स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड मिला। इसके बाद करीना युवा, देव, फिदा और ऐतराज जैसी फिल्मों में नजर आईं। करीना और शाहिद कपूर आज अपने-अपने लाइफ पार्टनर के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं। करीना सैफ अली खान की पत्नी हैं, जबकि शाहिद मीरा राजपूत के साथ शादीशुदा जीवन जी रहे हैं। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब करीना और शाहिद की लव स्टोरी बॉलीवुड में सबसे ज्यादा चर्चा में रहती थी। इन दोनों की पहली मुलाकात फिल्म फिदा के सेट पर हुई थी। करीना शाहिद से पहली बार मिलते ही उन्हें पसंद करने लगी थीं और उन्होंने ही पहले प्रपोज किया था। करीना के लगातार कॉल और मैसेज के बाद शाहिद ने उनका प्रपोजल स्वीकार कर लिया। इसके बाद दोनों को अक्सर साथ देखा जाने लगा और उन्होंने पब्लिकली अपने रिश्ते को स्वीकार भी किया। हालांकि इस रिश्ते में एक दौर ऐसा भी आया जब उनका एक प्राइवेट वीडियो इंटरनेट पर लीक हो गया, जो काफी सुर्खियों में रहा, लेकिन फिर फिल्म जब वी मेट की शूटिंग के दौरान ही उनका ब्रेकअप हो गया। ब्रेकअप

की वजहें पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीना की मां बबीता कपूर और बहन करिश्मा कपूर इस रिश्ते से खुश नहीं थीं। वहीं, शाहिद के एक करीबी दोस्त ने दावा किया था कि करीना का अपने एक को-स्टार के साथ अफेयर था, जिसके चलते उन्होंने शाहिद से रिश्ता तोड़ दिया। यह बात एक इंटरव्यू में बताई गई थी।ब्रेकअप के बाद करीना की जिंदगी में सैफ अली खान की एंट्री हुई। फिल्म ओमकारा की शूटिंग के दौरान दोनों ने साथ में कुछ सीन किए, लेकिन 'टशन' की शूटिंग के वक्त दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगीं। वे सेट से समय निकालकर साथ वॉक पर जाते और एक-दूसरे का साथ पसंद करने लगे। हालांकि शुरुआत में दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर कोई खुलासा नहीं किया। फिर एक फैशन शो के दौरान जब वे पहली बार एक ही कार से पहुंचे, तो सैफ ने मीडिया के सामने यह स्वीकार किया कि वह करीना को डेट कर रहे हैं।जब इनकी शादी की खबरें सामने आईं, तो कुछ संगठनों ने इसे लव जिहाद का नाम देने की कोशिश की। इस पर करीना ने साफ कहा था, मैं लव जिहाद में नहीं, प्यार में यकीन करती हूं। प्यार को आप किसी धर्म से नहीं जोड़ सकते। जब दो लोग एक-दूसरे से प्यार करते हैं, तो मजहब बीच में नहीं आता। इसके बाद करीना और सैफ ने 16 अक्टूबर 2012 को शादी कर ली। आज कपल के दो बेटे तैमूर अली खान और जेह अली खान हैं। सैफ अली खान से शादी के बाद करीना ने बेटे तैमूर को जन्म दिया था, लेकिन जैसे ही उन्होंने बेटे के नाम की घोषणा की तो पूरे देश में इस पर विवाद शुरू हो गया। दरअसल, तैमूर नाम इतिहास में एक आक्रमणकारी शासक से जुड़ा हुआ है और इसी कारण सैफ-करीना की जमकर आलोचना की गई। इस विवाद ने करीना को काफी डरा दिया था। एक ऑनलाइन सेशन वी द वुमन में बातचीत के दौरान करीना ने कहा, मैं इस अनुभव को कभी नहीं भूल सकती, क्योंकि यह बहुत डरावना था। एक मां और एक इंसान के रूप में मैं बहुत डर गई थी। आखिर मैं अपने बच्चे का नाम क्या रखती हूं, यह पूरी तरह मेरा और मेरे परिवार का फैसला है। इसमें दूसरों को दखल देने का कोई हक नहीं है। करीना ने बताया कि डिलीवरी के महज 8 घंटे बाद एक लोकप्रिय व्यक्ति उन्हें और उनके बेटे को देखने अस्पताल पहुंचे थे। बधाई देने के बाद उस व्यक्ति ने कहा- तुम्हारे पास सब कुछ है, फिर तुम अपने बेटे का नाम तैमूर क्यों रखोगी? मैं उस समय बहुत ही भावुक स्थिति में थी और वाकई रोने लगी थी। करीना ने आगे बताया, यह नाम हिंदू हो या मुस्लिम, इससे फर्क नहीं पड़ता। सैफ मुस्लिम हैं, तो क्या हुआ? हमारा बेटा एलेक्सा, एलेक्जेंडर या कुछ और भी हो सकता था। हम अपने बेटे का वही नाम रखना चाहते थे जो हमें पसंद आए। 300 साल पहले कोई योद्धा तैमूर था, तो उससे हमें क्या फर्क पड़ता है? देश में आज भी 100 से ज्यादा लोगों का नाम तैमूर है। इस नाम का अर्थ है 'आयरन' यानी 'लोहा', जो शक्ति का प्रतीक है और यही हमें पसंद आया। इतना ही नहीं कपल को उनके दूसरे बेटे जेह यानी जहांगीर के नाम पर भी ट्रोल किया गया था। करीना कपूर खान ने मां बनने के बाद न सिर्फ फिल्मों का चयन बदल दिया, बल्कि अपनी जिंदगी और लाइफस्टाइल में भी कई बड़े बदलाव किए। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इस बदलाव के पीछे उनके पति सैफ अली खान का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने न केवल करीना को प्रेरित किया, बल्कि उन्हें प्रेग्नेंसी के बाद दोबारा काम पर लौटने के लिए पूरा समर्थन भी दिया। करीना ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में वह साल में 4-5 फिल्में करती थीं, लेकिन अब उनकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। मां बनने के बाद उन्होंने तय किया कि अब वह कम, लेकिन बेहतर और सोच-समझकर काम करेंगी। एनओडी मैगजीन से बातचीत में करीना ने कहा, अब मैंने रोल्स के पीछे भागना बंद कर दिया है। मैं देखती हूं कि युवा एक्ट्रेसेस एक फिल्म खत्म करके तुरंत दूसरी शुरू कर देती हैं। मैं खुश हूं कि मेरी जिंदगी का वो दौर बीत चुका है। अब मैं तय करती हूं कि कब और कितना काम करना है। किसी अवॉर्ड शो में जाने के लिए मैं अपने बच्चों को अकेला छोड़ना पसंद नहीं करती। करीना ने यह भी बताया कि उन्होंने लाइफस्टाइल में भी कई बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा, अब मैं सुबह जल्दी उठती हूं और वर्कआउट करती हूं। खुद के लिए समय निकालती हूं। हम शाम 6 बजे तक डिनर कर लेते हैं और रात 9:30 बजे तक घर की सारी लाइटें बंद हो जाती हैं। सिर्फ अपने फैसलों ही नहीं, बल्कि करीना अपने बोल्ड अंदाज के कारण भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। दरअसल, बॉलीवुड में 'नेपो किड्स' को लेकर चर्चा अक्सर गर्म रहती है। ऐसा ही कुछ उस वक्त हुआ जब आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा सोशल मीडिया पर बॉयकॉट ट्रेंड का सामना कर रही थी। इस दौरान करीना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह नेपोटिज़्म को लेकर इंटरव्यू देती नजर आईं। वीडियो में करीना कहती हैं, हमें स्टार किसी और ने नहीं दर्शकों ने बनाया है। ऑडियंस ने ही नेपोटिज्म से जुड़े एक्टर्स को स्टार बनाया है। आप जा रहे हो ना फिल्म देखने? तो मत जाओ। किसी ने जबरदस्ती नहीं की है। सच कहूं तो मुझे यह पूरी नेपोटिज्म वाली चर्चा बहुत अजीब लगती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।